पटना ●सोमवार, 18 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः304 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

उड़ान परियोजना ने बाल पंचायत ... 3 www. bordernewsmirror.com हॉलीवुड में पदार्पण करने पूरी... 7

केजरीवाल के 'हनुमान' ने दिया जोर का झटका

● 'अपने राम' को छोड़ उड़ चले कैलाश गहलोत, दे दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। खुद को अरविंद केजरीवाल का हनुमान बताने वाले एएपी नेता कैलाश गहलोत ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वो मौजूदा आतिशी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे और परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी

संभाल रहे थे। कैलाश गहलोत ने रविवार को आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने मंत्री पद भी छोड़ दिया। उनके इस्तीफे को दिल्ली की सीएम आतिशी ने स्वीकार कर लिया है। यही नहीं एएपी सूत्रों का दावा है कि कैलाश गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। छापेमारी भी हुई थी, ऐसे में उनके पास बीजेपी में जाने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। कैलाश गहलोत को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के बेहद करीब नेताओं में माना जाता था। इसी साल सितंबर में जब अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा दिया और आतिशी के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो कैलाश गहलोत को कैबिनेट मंत्री के तौर पर शामिल किया गया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मिल गई बड़ी सफलता

● पुलिस ने सलमान वोहरा को अकोला से किया अरेस्ट

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने अकोला महाराष्ट्र से सलमानभाई इकबाल भाई वोहरा को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में यह 25वीं गिरफ्तारी है। पुलिस वोहरा की गिरफ्तारी को इस हाईप्रोफाइल मर्डर केस में काफी अहम अरेस्ट मान रही है। पुलिस का कहना है कि वोहरा ने मर्डर की घटना में वित्तीय मदद की थी। वोहरा ने अन्य आरोपियों को

रुपये भेजे थे। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को मुंबई में हत्या की गई थी। बाबा सिद्दीकी की हत्या में गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ में वोहरा का नाम सामने आया था। पुलिस का दावा है कि उसने गुजरात में अपने बैंक खाते के माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए थे। पुलिस ने पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उन्हें अदालत में पेश किया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच ने सलमानभाई इकबालभाई वोहरा को अकोला के बालापुर से गिरफ्तार किया है। वोहरा गुजरात के आणंद जिले के अर्बन पार्क का निवासी है। पुलिस ने 24वें आरोपी के तौर पर आकाश दीप गिल को भी पंजाब के फाजिल्का से गिरफ्तार किया गया।

अंतरिक्ष में 'फंसीं' सुनीता की आ गई है नई तस्वीर

● नई फोटो ने दी फैंस को दी बड़ी राहत, दिख रहीं हेल्दी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी विल्मोर बुच कई महीनों से अंतरिक्ष में 'फंसीं' हुई हैं। हाल ही में सुनीता की एक तस्वीर सामने आई, जिसने दुनियाभर को हैरान

कर दिया। उस फोटो में सुनीता की हेल्थ काफी खराब लग रही थी और वजन गिरा हुआ नजर आ रहा था, लेकिन अब एक नई और लेटेस्ट फोटो के जरिए सुनीता विलियम्स के फैंस के लिए खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, ताजा फोटो में सुनीता विलियम्स पहले से बिल्कुल विपरीत एकदम हेल्दी नजर आ रही हैं। नासा की नई फोटो इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की गई है, जिसमें वह स्पेसएक्स ड्रैगन क्रू स्पेसक्राफ्ट की विंडो से बाहर की ओर देखती हुई नजर आ रही हैं।

सावधान ! कश्मीर में बर्फबारी से बदला मौसम

अब कड़ाके की ठंड के आसार, आईएमडी ने दी चेतावनी

श्रीनगर (एजेंसी)। मौसम तेजी से बदल रहा है। ठंड बढ़ने वाली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान गिरेगा। इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की उम्मीद है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और बिहार में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और माहे में अलग-अलग जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी पूरे सप्ताह कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के रिसॉर्ट गुलमर्ग और गुरेज सहित कश्मीर घाटी के ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात हुआ है। इससे तापमान में गिरावट आई और गुलमर्ग का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया।

दिल्ली में अब तक का सबसे कम तापमान दर्ज

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। रात के तापमान में गिरावट के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में कोहरा छाया रहा। सुबह और शाम को ठंडी हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक था। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सबसे कम तापमान था।

मणिपुर में बड़े ऐक्शन की तैयारी में केन्द्र सरकार

महाराष्ट्र की सभी रैलियां रद्द कर अमित शाह पहुंचे दिल्ली

मणिपुर हिंसा के बीच एनपीपी ने एनडीए से समर्थन लिया वापस

इंफाल (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अचानक महाराष्ट्र की अपनी चारों रैलियां रद्द कर दीं। वह चुनाव प्रचार के लिए नागपुर पहुंच गए थे। अचानक गृह मंत्री ने यह बड़ा फैसला लिया और दिल्ली लौट गए। बताया जा रहा है कि मणिपुर के बिगड़े माहौल को लेकर गृह मंत्री ने यह फैसला लिया है। सरकार मणिपुर में शांति बहाली के लिए कोई बड़ा कदम उठा सकती है। गृह मंत्री अमित शाह आज विदर्भ में चार रैलियां करने वाले थे। अमित शाह गढ़चिरौली, वर्धा,कटोल और सावनेर में सभाएं करने वाले थे। वह नागपुर के रेडिसन ब्लू होटल में रुके थे। सुबह 11 बजे के करीब वह गढ़चिरौली के लिए रवाना होने वाले थे तभी पता चला कि उन्होंने अपनी सभी रैलियां रद्द कर दी हैं और दिल्ली लौट रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि मणिपुर हिंसा को लेकर ही उन्होंने यह फैसला लिया है। अब उनकी जगह शिवराज सिंह चौहान और स्मृति ईरानी रैली करेंगी। दो सभाओं में स्मृति ईरानी मौजूद रहेंगी।

मणिपुर में बिगड़ते हालातों के बीच नेशनल पीपुल्स पार्टी ने एनडीए से अपना समर्थन वापस ले लिया है। NPP ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार राज्य की मौजूदा स्थिति से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है।

सुरक्षा बलों ने हवा में की फायरिंग

पुलिस ने ख. रघुमणि सिंह, सपाम निशिकांत और ख. जॉयकिसन सिंह के घरों में तोड़फोड़ की घटना की पुष्टि की है। शाम करीब 7 बजे भीड़ ने वाई सुसिंड्रो के घर पर धावा बोल दिया और पत्थरबाजी की, जिसके जवाब में उनके घर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों ने हवा में फायरिंग की। एक प्रदर्शनकारी ने कहा है कि राजनेताओं ने लोगों को निराश किया है और निर्दोष नागरिकों के जीवन की रक्षा करने में विफल रहने के बाद वे अपनी कुर्सी पर बने रहने के लायक नहीं हैं। शनिवार की रात जिरिबाम में भी आगजनी हुई।

मंत्रियों और विधायकों को बनाया निशाना

शनिवार को भीड़ ने जिरीबाम से लेकर इंफाल तक में कई बीजेपी नेताओं के आवासों को निशाना बनाया। इतना ही नहीं, सीएम एन बिरेन सिंह के दामाद राजकुमार इमो सिंह और इंफाल सरकार में मंत्री खुरई विधायक एल सुसीद्रो को निशाना बनाया गया है। बीजेपी के उरीपोक से विधायक रघुपति सिंह, पटसोई विधायक सपा कुंजाकेश्वर और थांगमेइबंद विधायक के जॉयकिसन सिंह और निर्दलीय विधायक सपाम निशिकांत के घरों को निशाना बनाया गया है। इन नेताओं के घरों पर संपत्ति और वाहनों तक को आग के हवाले कर दिया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार की रात भीड़ ने इम्फाल के हीनगांग में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के निजी आवास पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि उस समय वे वहां मौजूद नहीं थे। सुरक्षा बलों ने भीड़ को पीछे धकेल दिया, जिन्होंने खाली गोलियां और आंसू गैस के गोले दागे। उनके आवास तक जाने वाले हाईवे पर जलते हुए टायर बिछाए गए थे। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी दोनों जिलों समेत सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं दो दिनों के लिए बंद कर दी गई हैं। प्रभावित क्षेत्रों में मध्य मैतेई बहुल घाटी के सभी पांच जिले शामिल हैं। वहीं कुकी बहुल समुदाय वाले जिलों कांगपोकपी और चुड़ाचांदपुर में भी भारी हिंसा देखने को मिली।

एससी में बुधवार-गुरुवार को रेगुलर मामलों की सुनवाई नहीं

● इनकी जगह ट्रांसफर याचिका, बेल केस और दूसरे मामले लिस्ट होंगे, सीजेआई खन्ना ने नियम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को मामलों की सुनवाई को लेकर नया सर्कुलर जारी किया गया। इसके

मुताबिक बुधवार और गुरुवार को रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं किए जाएंगे। सर्कुलर में कहा गया कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाओं, बेल के मामलों और दूसरे केस को लिस्ट किया जाएगा। रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं होंगे। वहीं, स्पेशल बेंच या पार्ट हियर्ड मैटर (आंशिक सुनवाई) वाले मामले चाहे वो मिसलेनियस हों या रेगुलर, जिन्हें मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लिस्ट करने का निर्देश दिया गया है।

भारत ने दुनिया को दिखाई अपनी ताकत !

लॉन्ग रेंज हाइपरसोनिक मिसाइल का टेस्ट कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत ने ओडिशा के तट से दूर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अधिकारियों के अनुसार, हाइपरसोनिक मिसाइल का शनिवार को परीक्षण किया गया। सिंह ने इस मिसाइल के परीक्षण को एक ऐतिहासिक पल करार दिया और कहा कि इससे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत ने ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।' उन्होंने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक पल है और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की क्षमता है।' सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सशस्त्र बलों और उद्योग को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

केशव का बंटेंगे तो कटेंगे पर 12 घंटे में यू-टर्न

कहा-यह नारा मेरे दिल की आवाज, बीजेपी में कोई मतभेद नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 20 नवंबर को उपचुनाव की वोटिंग है। कल प्रचार का आखिरी दिन है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे से किनारा

● उपचुनाव के बीच अखिलेश यादव पर गरजे डिप्टी सीएम मौर्य

करने के 12 घंटे में यू-टर्न ले लिया। रविवार को एक्स पर लिखा- एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे दिल की आवाज हैं। उन्होंने आगे लिखा- भाजपा में न मतभेद था, न है, न होगा। सपा, बसपा और कांग्रेस को इस एकजुटता से पेट में दर्द क्यों हो रहा। अगर दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा, तो इलाज कराएं और दवा ले लें। दरअसल, शनिवार को केशव मौर्य ने योगी के बंटेंगे तो कटेंगे नारे से किनारा किया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था- भाजपा का नारा एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे है। बंटेंगे तो कटेंगे जैसा कोई नारा नहीं है। केशव मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक संत हैं और एक संत का अपमान न तो केशव प्रसाद मौर्य बर्दाश्त करेगा, न देश और न ही प्रदेश की जनता बर्दाश्त करेगी। इसका खामियाजा उन्हें उपचुनाव और चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

केशव प्रसाद मौर्य का यह बयान तब आया जब एक दिन पहले ही बटेंगे तो कटेंगे वाले सीएम योगी के बयान से उनके किनारा कर लेने की खबरें सामने आई थीं। मंझवा उपचुनाव में प्रचार के बाद एक टीवी चैनल से बात करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सीएम के इस नारे पर टिप्पणी से इनकार कर दिया था।

राहुल गांधी ने बालासाहेब ठाकरे को दी श्रद्धांजलि

● बोले-संवेदनाएं उद्धव ठाकरे और आदित्य के साथ

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की 12वीं पुण्यतिथि थी। इस मौके पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और विभिन्न राजनीतिक दलों के

नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित बाल ठाकरे की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा, बालासाहेब ठाकरे जी को उनकी 12वीं पुण्य तिथि पर स्मरण।

भारत अब जापान के साथ मिलकर बनाएगा नेवी के लिए यूनिकॉर्न मास्ट

भारत और जापान के प्रतिनिधिमंडल के बीच जापान में हुआ समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान के बीच रक्षा क्षेत्र में एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके अंतर्गत भारतीय नौसेना के जहाजों पर फिट करने के लिए यूनिकॉर्न मस्तूल के मिलकर बनाने के

● नेवी के लिए जापान के साथ यह अपनी तरह का पहला डिफेंस एग्रीमेंट

लिए भारत सरकार और जापान सरकार के बीच 15 नवंबर 24 को टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में कार्यान्वयन ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। टोक्यो में आयोजित एक समारोह में जापान में भारत के राजदूत महामहिम सिबी जॉर्ज और जापान रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अधिग्रहण प्रौद्योगिकी और रसद एजेंसी (एटीएलए) के आयुक्त इशिकावा ताकेशी के बीच कार्यान्वयन ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हस्ताक्षर के बाद दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना (यूनिकॉर्न) एकीकृत संचार प्रणालियों वाला एक मस्तूल है जो नौसेना प्लेटफार्मों की स्टील्थ विशेषताओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा। भारतीय नौसेना इन एडवांस सिस्टम को शामिल करने का प्रयास कर रही है, जिन्हें भारत में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की तरफ से जापानी सहयोग से मिलकर तैयार किया जाएगा। जब इसे लागू किया जाएगा। जब इसे लागू किया जाएगा, तो यह भारत और जापान के बीच रक्षा उपकरणों के सह-विकास/सह-उत्पादन का पहला मामला होगा। एकीकृत जटिल रेडियो एंटीना इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन सिस्टम वाला एक मस्तूल है। यह जहाजों की गुप्त विशेषताओं को बेहतर बनाने में मदद करता है। तीन जापानी कंपनियों की तरफ से संयुक्त रूप से विकसित, ये एंटेना वर्तमान में जापान समुद्री सेल्फ डिफेंस फोर्स के मोगामी श्रेणी के फ्रिगेट पर लगे हैं। पारंपरिक मस्तूलों के विपरीत, यूनिकॉर्न विभिन्न एंटेना को सपोर्टेड स्तंभ में जोड़ता है।

'लॉर्ड ऑफ ड्रग्स' हाजी सलीम एनसीबी के रडार पर

● पूरा नेटवर्क ध्वस्त करने की तैयारी, ऐक्शन किया तेज

अहमदाबाद (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने वांटेड स्मगलर हाजी सलीम के खिलाफ ऐक्शन तेज कर दिया है। लॉर्ड ऑफ ड्रग्स के तौर पर पहचाने जाने वाले तस्कर को

ट्रैक किया जा रहा है। साथ ही, उसकी ओर से चलाई जा रही कार्टेल गतिविधियों को खत्म करने के लिए बड़ा अभियान लॉन्च हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर ऑपरेशन सागर मंथन के तहत कदम उठाए जा रहे हैं। एनसीबी मुख्यालय की संचालन शाखा के अधिकारियों और खुफिया विंग के ऑफीसर्स की टीम बनाकर यह ऑपरेशन शुरू किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मिठाई और नाश्ते की दुकान में चोरी

भागलपुर, एजेंसी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अंगारी मोड़ पर एक मिठाई और नाश्ते की दुकान में चोरी हो गई। घटना शुक्रवार देर रात की है। दुकानदार महेश साह ने थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। जिसमें शक के आधार पर एक व्यक्ति छोटू तांती को नामजद आरोपी बनाया गया है। उसने पुलिस को बताया कि घटना की रात आसपास के लोगों ने उसे दुकान के पास घूमते हुए देखा था। दुकान से 50 हजार रुपये नगद और अन्य समान गायब है। वहीं प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष विशाल आनंद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तुलसीपुर गोलीकांड मामले में पांच पर केस

भागलपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव में गोली मारकर एक युवक को शुक्रवार की देर शाम घायल करने के मामले में शनिवार को खरीक थाने में केस दर्ज किया गया। केस घायल छोटू साह के चचेरे भाई संजय साह के बयान पर दर्ज किया गया। जिसमें नीतीश मंडल समेत पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। घायल छोटू का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने बताया कि शीघ्र ही सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सक्षमता परीक्षा तृतीय ऑनलाइन मोड में 26 से 31 दिसंबर तक

पटना, एजेंसी। सक्षमता परीक्षा द्वितीय के रिजल्ट के दौरान ही सक्षमता परीक्षा तृतीय की तिथि की घोषणा भी शनिवार को परीक्षा समिति कार्यालय में समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने रिजल्ट जारी करने के दौरान की। उन्होंने बताया कि अभी ऑफलाइन मोड में परीक्षा नहीं होगी। 26 से 31 दिसंबर तक परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी, जब तक कि शिक्षा विभाग से ऑफलाइन परीक्षा का कोई निर्देश नहीं आ जाता है। इसके अतिरिक्त परीक्षा में पूर्व की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। हालांकि सक्षमता परीक्षा द्वितीय के वैसे छात्र जो अपने जिला आवंटन से खुश नहीं होंगे और इंप्रूवमेंट चाहते हैं यानी जिला बदलवाना चाहते हैं तो वे दोबारा परीक्षा देंगे या नहीं इस संबंध में भी निर्णय शिक्षा विभाग के अधीन है। 26 नवंबर से परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन होगा शुरू : सक्षमता परीक्षा तृतीय के लिए 26 नवंबर से आठ दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। शुल्क भी ऑनलाइन जमा करना होगा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) द्वारा जिले के शिक्षक अभ्यर्थियों को परीक्षा आवेदन 10 दिसबर तक अग्रसारित करना होगा। सक्षमता परीक्षा तृतीय का मूल प्रवेश पत्र 19 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

नयाटोला से बच्चे के साथ महिला गायब

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नयाटोला मोहल्ले से एक बच्चे के साथ महिला बीते 14 नवंबर से गायब है। ससुर ने काजी मोहम्मदपुर थाने में बहू व पोते के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई है। इसमें एक महिला व एक युवक पर बहू व पोते को गायब करने का आरोप लगाया गया है।

नाव के भरोसे 10 पंचायतों की 50 हजार आबादी : पूर्णिया में कनकई नदी पर 13 सालों में नहीं बना पुल

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के अमौर प्रखंड से कनकई नदी पर साल 2011 में करोड़ों की लागत से 11 स्पेन वाले पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया। 2017 में पुल बनकर तैयार भी हो गया, लेकिन एप्रोच पथ नहीं बन सका। इसी साल नदी में बाढ़ आई और कनकई नदी ने रास्ता ही बदल दिया। इसके बाद से स्पेन खड़ा है, लेकिन पुल का काम पूरा नहीं किया गया। स्थिति यह है कि 10 पंचायतों के करीब 50 हजार आबादी नाव से रोजाना सफर करने के लिए मजबूर हैं। मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस सेवा भी नहीं मिल पाती है। इसकी वजह नदी है। मरीज को नाव से नदी पार करने के बाद ही एंबुलेंस उपलब्ध होता है।

स्कूली बच्चे हो या फिर कॉलेज के स्टूडेंट्स। सभी को स्कूल-कॉलेज जाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता है। 6 महीने पहले की बात है, जब एक बीपीएससी पास शिक्षिका नाव से उतरते समय नदी में बहने लगी थी। इसके बाद दूसरे शिक्षकों ने जान पर खेलकर बचाया था। ग्रामीण मोहम्मद सलमान कहते हैं, जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर अमौर प्रखंड है। इस प्रखंड को कनकई नदी ने दो हिस्सों में बांट रखा है। एक हिस्से में 10 पंचायत है। इसमें खाड़ीमहीन गांव, हफनिया ताराबाड़ी, सिरसी, खपड़ा, नंदनीया, मजोक, कंजिया, तालबाड़ी जैसे पंचायत शामिल हैं। इसकी आबादी 50 हजार है, जो रोजना नाव के भरोसे हैं।

प्रेग्नेंट महिलाओं को गंवानी पड़ती है जान

गांव में किसी पेशेंट की हालत गंभीर होने पर भी नाव पर ही ले जाना पड़ता है। नदी पार करने के बाद एंबुलेंस मिलता है। इन पंचायतों की प्रेग्नेंट महिलाओं को जान गंवानी पड़ती है। अचानक प्रसव पीड़ा होने पर प्रसूता को घर से नाव तक लाया जाता है। नाविक नहीं है तो बुलाना पड़ता है। इस स्थिति में काफी देर हो जाती है। इससे नदी के बीच लहरों में नाव पर ही दम तोड़ देती है या फिर अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में।

आज तक नहीं बना एप्रोच रोड

सलमान ने बताया, साल 2011 में पुल बनाने का काम शुरू किया गया था, लेकिन एप्रोच पथ के अभाव में पुल चालू नहीं हो सका। 13 साल बाद भी पुल का काम अधूरा लटका हुआ है। इस स्थिति में बच्चों को स्कूल जाने के लिए भी नाव की जरूरत पड़ती है।

नाविक सफर के बदले लेते हैं धान

नाव पर एक समय में 15 बाइक सवार और साइकिल सवार को चढ़ाते हैं। वहीं 50 लोग नाव पर सफर होते हैं। इसके बदले नाविक ग्रामीणों से 10 से 15 किलो धान लेते हैं। गाड़ी के लिए 20 रुपए चार्ज करते हैं। कभी-कभी आने जाने वालों से 20 रुपए भाड़ा के रूप में वसूल करते हैं। जब आधी रात किसी मरीज की तबीयत बिगड़ जाती है। इस स्थिति में नाव चलाने के लिए स्थानीय पुलिस की अनुमति लेनी पड़ती है। प्राइवेट शिक्षक मोहम्मद तबरेज कहते हैं कि हमे अपने विद्यालयों तक पहुंचने के लिए 2 घंटे पहले घर से निकलना पड़ता है। नाव फूल नहीं होता, तब तक नाव खुलती नहीं है।

नाव से पहुंचते हैं खाड़ी बसौल गांव

आधे घंटे नाव में बैठने के बाद खाड़ी बसौल गांव लोग पहुंचते हैं। यहीं से बाकी पंचायतों और प्रखंड मुख्यालय जाते हैं। इसके लिए उन्हें आने और जाने के लिए 20 रुपए नाविक को देने होते हैं। शिक्षक कहते हैं, एक दिन में महज नाव की सवारी के लिए 40 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। घर तक पहुंचने के लिए ऑटो या फिर टोटो का किराया अलग देना होता है।

2 साल पहले नाव भी पलट चुकी है

छात्र मोहम्मद रियाज कहते हैं, रोजाना नाव से मौत का सफर तय करते है। वहीं जब-तक नाव का सफर पूरा नहीं हो जाता, तब तक जान का खतरा सताते रहता है। बाढ़ के दिनों में ज्यादा परेशानी बढ़ जाती है। 2 साल पहले कनकई नदी की तेज धार के कारण नाव पटल गई थी।

सोनपुर मेले में पहुंचा बीयर पीने वाला भैंसा: कीमत 2 करोड़

मालिक बोला- इसे सिर्फ बाहुबली अनंत सिंह ही खरीद सकते हैं

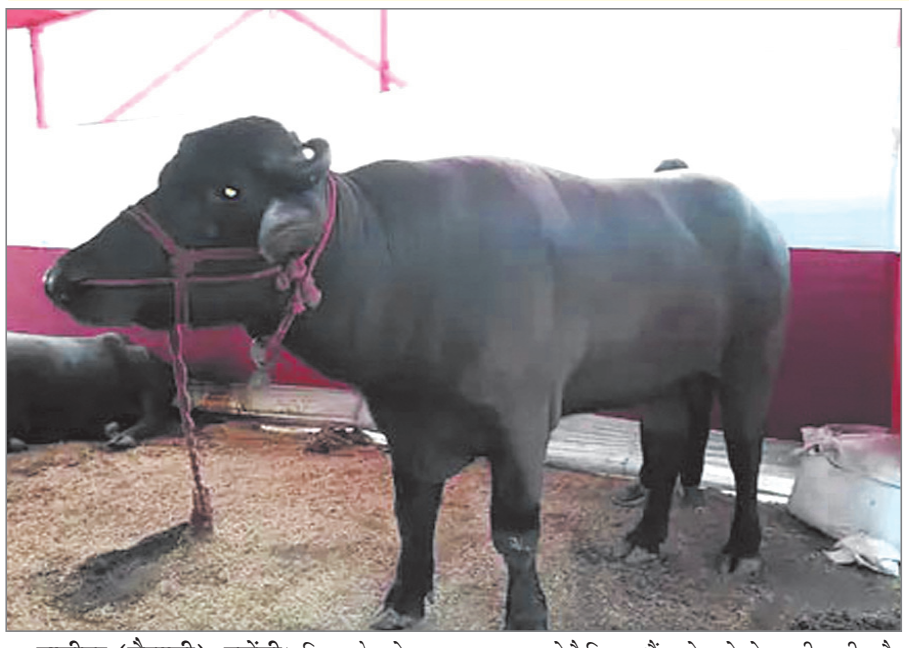

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। बिहार के सोनपुर मेले में दो करोड़ पांच लाख रुपए का मुर्रा नस्ल का भैंसा आया है। इसे बनारस से एक किसान लेकर पहुंचा है। भैंसा का नाम राजा है। इसकी उम्र तीन साल है। यह भैंसा मेले में लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खास बात ये है कि यह भैंसा रोज दो बोतल बीयर पीता है, लेकिन शराबबंदी की वजह से उसे बीयर नहीं मिल रही। भैंसा के मालिक का कहना है कि बीयर न मिलने से भैंसे की चमक फीकी पड़ गई है। साथ ही वह थोड़ा सुस्त भी दिख रहा है। वहीं, मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने इस भैंसे के मालिक रामजतन यादव से वीडियो कॉल पर बातचीत की और राजा नामक भैंसा को देखा। अनंत सिंह ने कहा कि वो भैंसे को देखने कल यानी रविवार को आएंगे।

भैंसा के मालिक ने कहा, अनंत सिंह यहां छोटे सरकार के नाम से फेमस हैं। बड़े आदमी हैं। उनके अलावा ये भैंस कोई दूसरा व्यक्ति नहीं खरीद सकता है। इसकी कीमत करोड़ों में है। अगर अनंत सिंह इस भैंसा को नहीं खरीदे तो वापस ले जाना पड़ेगा। उसने बताया, अनंत सिंह के करीबी किसान अनिल सिंह सोनपुर मेले में भैंस खरीदने आए थे। उन्होंने ही अनंत सिंह से वीडियो कॉल पर बात करवाई।

भैंसा 2 करोड़ तो भैंस की कीमत 3 से 5 लाख

भैंसा के मालिक ने बताया, मेरे पास बनारस में भैंसों का खटाल है। 200 से अधिक भैंस है। यह भैंसा मुर्रा नस्ल का है। मुर्रा नस्ल का भैंसा हरियाणा और पंजाब में ज्यादा मिलता है। इस साल पहली बार सोनपुर मेले में दो भैंस और एक भैंसा लेकर आए हैं। दोनों भैंसे 24 लीटर और 20 लीटर दूध देती है। रामजतन के मुताबिक, इनमें से एक भैंस की कीमत 5 लाख रुपए तो दूसरे की 3 लाख रुपए है।

यूजीसी : यूजी की 3 वर्षीय पढ़ाई 2.5 और 4 वर्षीय 3 साल में पूरा करने का ऑप्शन

पटना, एजेंसी। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) अगले शैक्षणिक सत्र से छात्रों को अपने स्नातक स्तरीय कोर्स को तय समय से पहले पूरा करने की अनुमति प्रदान करने जा रहा है। नई योजना के मुताबिक 3 साल के स्नातक (डिग्री) कोर्स को 2.5 साल में पूरा कर सकेंगे। वहीं 4 साल के कोर्स को 3 साल में पूरा करने का ऑप्शन मिलेगा। इतना ही नहीं तीन वर्षीय स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों को एक साल बढ़ाने का विकल्प भी मिलेगा। बताते चलें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया गया था। इसके तहत तीन वर्षीय स्नातक स्तरीय कोर्स को चार वर्षीय किया गया था।

अब नई योजना से छात्रों को समय से पहले पढ़ाई पूरा करने का अवसर छात्रों को मिलेंगे। खासकर वैसे छात्र जो जल्दी सीखने और समझने की क्षमता रखते हैं, वे इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। अगर कोई छात्र छह महीने या एक साल पहले अपनी डिग्री खत्म करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकेगा। डिग्री कोर्स में कई एंट्री और एक्जिट पॉइंट का प्रावधान किया गया है। बताते चलें कि पटना यूनिवर्सिटी समेत राज्य के सभी स्टेट यूनिवर्सिटीज में भी एनईपी-2020 के अनुसार स्नातक की पढ़ाई हो रही है। चार वर्षीय स्नातक की पढ़ाई पूरा करने वाले छात्र सिर्फ एक साल में पीजी की पढ़ाई पूरा कर सकेंगे। इसलिए किया जा रहा है बदलाव एनईपी सिलेबस पर नजर रख रहे शिक्षकों का मानना है कि अगले शैक्षणिक सत्र से होने वाले बदलाव से मेधावी छात्रों को समय बचत होगी। क्योंकि नई व्यवस्था में स्टूडेंट्स को तय समय से एक साल पढ़ाई पूरा करने का अवसर मिलेंगे। बताते चलें कि आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटि के नेतृत्व वाली कमेटी द्वारा यह सिफारिश की गई है।

5 बार चालान कटा तो डीएल सस्पेंड,20 बार में रद्द: पटना के 5 हजार 691चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड होगा

पटना, एजेंसी। ट्रैफिक पुलिस ने नया फरमान जारी किया है। अगर आपका चालान 5 बार या उससे अधिक कटता है तो आपके ड्राइविंग लाइसेंस को सस्पेंड कर दिया जाएगा। अगर चालान 20 बार या उससे अधिक कटता है तो आपके ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने कहा कि हम लोगों ने छह महीने के चालान की समीक्षा की है। इस दौरान पाया गया कि 5691 वाहन चालक ऐसे हैं जिनका कम से कम पांच बार चालान कटा है। ऐसे चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किया जाएगा। वहीं, 133 ऐसे वाहन चालक हैं जिनका चालान 20 बार कटा है। ऐसे चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। इसका प्रस्ताव पटना ट्रैफिक पुलिस ने जिले के डीटीओ को भेज दिया है। हमारा मकसद सिर्फ आर्थिक दंड लगाना नहीं है। हम चाहते हैं कि लोग यातायात के नियमों का पालन करें। जिससे आप भी सुरक्षित रहें और अन्य लोग भी सुरक्षित रहें। इधर, डीटीओ उपेंद्र पाल ने कहा कि प्रस्ताव के अनुसार नियम के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आरोपी पर कार्रवाई भी होगी।

यूपीआई से अब तक फाइन जमा करने की सुविधा नहीं : चालान जमा करने के लिए रोज ट्रैफिक एसपी के कार्यालय में भीड़ लगती है। ऑनलाइन चालान जमा करने की सुविधा तो है लेकिन इसके बाद भी परेशानी बरकरार है। परिवहन विभाग ने एसबीआई, सेंट्रल बैंक, यूनियन बैंक, पीएनबी और केनरा बैंक से फाइन जमा करने की सुविधा दी है। पटना ट्रैफिक पुलिस ने कहा था कि जल्द ही यूपीआई से भी चालान जमा करने की सुविधा शुरू की जाएगी। लेकिन लोगों को यह सुविधा नहीं मिल पाई है।

1 यूनिट बिजली खर्च करें या 500, देना होगा एक रेट:बिहार में वन टैरिफ प्लान की तैयारी में कंपनी

पटना, एजेंसी। बिहार में बिजली दर का स्लैब खत्म होगा। आप कम बिजली का इस्तेमाल करें या ज्यादा। बिजली की दर प्रति यूनिट एक ही होगी। बिहार सरकार राज्य में वन टैरिफ प्लान लागू करने जा रही है। इसके बाद उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 2.20 से 4.25 रुपए तक लग सकता है। वन टैरिफ का सीधा मतलब है कि आप एक यूनिट बिजली उपभोग करें या पांच सौ यूनिट। बिजली के प्रति यूनिट का दर एक ही रहेगा। पूरे बिहार को सिर्फ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बांटा जाएगा। शहरी क्षेत्र के कंज्यूमर को 4.25 रुपए तो ग्रामीण इलाकों में 2.20 के दर से बिजली मिल सकती है।

फिलहाल दो स्लैब सिस्टम में अलग-अलग दर

बिहार सरकार ने आयोग के पास भेजा प्रस्ताव

बिहार विद्युत विनियामक आयोग की हरी झंडी के बाद यह लागू होगा। राज्य सरकार ने आयोग के पास प्रस्ताव भेज दिया है। आयोग की सहमति के बाद इसे 1 अप्रैल 2025 से लागू किया जाएगा। शुक्रवार को बिजली कंपनियों ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग को स्लैब खत्म करने का प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने पहली बार बिजली दर में कोई वृद्धि नहीं करने का भी प्रस्ताव दिया है। बिजली दर के इजाफे की बजाय बिजली कंपनी ने वन स्लैब प्लान की ओर रुख किया है। इस मामले को लेकर बिहार विद्युत विनियामक जन सुनवाई में वन टैरिफ प्लान को रखेगा। आम लोगों से राय ली जाएगी। इसके बाद हरी झंडी दी जाएगी।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए फिलहाल दो स्लैब

उपभोक्ता के लिए दो स्लैब का दर तय है। यह यूनिट पर निर्धारित किया गया है। ग्रामीण इलाकों में 1 से 50 यूनिट का पहला टैरिफ है। इसके बाद 50 यूनिट से ऊपर के लिए दूसरा टैरिफ। वहीं, अर्बन के लिए 1 से 100 यूनिट का प्रथम स्लैब है। जबकि, 100 यूनिट से ऊपर के लिए दूसरा स्लैब। बिजली कंपनियों के मुताबिक बिहार में प्रीपेड मीटर की संख्या काफी हो गई है। हर घर में प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। शहरी इलाकों में प्रीपेड मीटर कंज्यूमर की संख्या 54 लाख से अधिक है। इस वजह से वन प्लान, वन स्टेट (वन टैरिफ प्लान) करने का विचार आया।

अधिक यूनिट कंज्यूम करने वाले को फायदा

इधर, बिजली कंपनी से जुड़े एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि नए प्लान से अधिक यूनिट कंज्यूम करने वाले उपभोक्ता को अधिक फायदा होगा। फिलहाल, शहरी क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ता को 1 से 100 यूनिट के बीच खपत होने पर 4.12 रुपए प्रति यूनिट तो 100 यूनिट से अधिक खपत होने पर 5.52 रुपए प्रति यूनिट देना पड़ रहा है। वन स्लैब लागू होने के बाद प्रति यूनिट कीमत कम हो जाएगी। उपभोक्ता को बिजली खपत में कम पैसे देने पड़ेंगे। दरअसल, बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर तेजी से लग रहे हैं। 54 लाख से भी ज्यादा घरों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। ऐसे में अलग-अलग स्लैब का कोई मतलब नहीं है। इसलिए, कंपनी ने इसे खत्म करने का फैसला किया है। बिजली कंपनी का कहना है कि इससे बिजली उपभोक्ताओं को फायदा होगा।

चेन छीनते धराया कोढ़ा गिरोह का शातिर, भीड़ ने पीटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बीबीगंज विषहर स्थान के पास शनिवार शाम महिला के गले से सोनी की चेन छीनकर भाग रहे कोढ़ा गिरोह के बाइक सवार दो बदमाशों में से एक को भीड़ ने दबोच लिया। भीड़ ने उसे सड़क पर दौड़ा-दौड़कर पीटा। वहीं, दूसरा बदमाश पिस्टल लहराते हुए भीड़ को डरा फरार हो गया। पकड़े गए बदमाश लखन यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसका सदर अस्पताल में इलाज कराया गया। वह कटिहार जिले के कोढ़ा का रहने वाला है। फरार हुए शातिर कोढ़ा के अक्षय कुमार को दबोचने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। बताया गया कि दोनों बदमाशों ने इससे पहले दोपहर करीब साढ़े तीन बजे रामदयालुनगर में चेन छिनतई की वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों ने इलाके एक निजी स्कूल वाली गली में बच्चे को लेने पहुंची रामदयालु मलंगस्थान मोहल्ला निवासी इंजीनियर की पत्नी सोनी कुमारी के गले से सोने की चेन छीन ली थी। सोनी ने पुलिस को बताया कि वह बच्चे को स्कूल से लेने के लिए स्कूटी से पहुंची थी। स्कूटी पार्क कर रही थी तभी बाइक सवार दोनों बदमाश पहुंचे। एक ने पूछा यह गली कहां निकलेगी। वह बता ही रही थी तभी बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उसके गले से चेन झपट ली। एक भर की सोना की चेन में हीरे का लॉकेट जड़ा था। सोनी शोर मचाते हुए पीछे दौड़ी, लेकिन दोनों बदमाश फरार हो गए।

सोनी ने भी बदमाश की पहचान की

बीबीगंज में बदमाश के पकड़े जाने की सूचना पर सोनी कुमारी भी रामदयालु से सदर थाने पहुंची। उन्होंने बरामद बाइक और धराए बदमाश की पहचान की। बताया कि इसी बदमाश ने उसके गले से चेन छीनी थी। जब्त बाइक भी वही है। पुलिस ने बताया कि बाइक पर गलत नंबर प्लेट लगाकर दोनों बदमाश वारदात करने निकले थे। एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा का कहना है कि सदर थाना इलाके में महिलाओं से चेन छिनतई की वारदात को लगातार अंजाम दे रहे कोढ़ा गिरोह के एक शातिर को पकड़ा गया है। उसकी बाइक भी बरामद हुई है। फरार दूसरे बदमाश को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। धराए शातिर से पूछताछ में कई घटनाओं का खुलासा हुआ है।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

उड़ान परियोजना ने बाल पंचायत हमारा दरबार का किया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पिपराकोठी प्रखंड के पण्डितपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधु छपरा के प्रांगण में रविवार को महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के अंतर्गत बाल पंचायत हमारा दरबार का आयोजन किया गया। बाल अधिकार सप्ताह के अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने कहा कि आज बच्चों के अधिकार का दिवस है। बच्चों के अधिकार को बताते हुए कहा कि मुख्य चार अधिकार है। जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, संरक्षण का अधिकार और सहभागिता के अधिकार की विशेषताओं को बताया। उन्होंने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए समुदाय और जनप्रतिनिधियों को आगे आने का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों और कुप्रथाओं जैसे बाल विवाह ,बाल श्रम को समाप्त करने में समुदाय और प्रतिनिधियों की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। बाल पंचायत में किशोर-किशोरियों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम, बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति, जल एवं स्वच्छता, पर्यावरण से सम्बंधित चित्र बनाकर समाज और समुदाय को संदेश दिया। बाल पंचायत कार्यक्रम में बच्चों ने पंचायत की समस्याओं को चिन्हित कर उसके समाधान के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल करने के लिए मांगपत्र सौंपा। जन वितरण प्रणाली के दुकानों में गेहूं और चावल के अतिरिक्त सरसों तेल, साबुन, चीनी सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता की मांग की। साथ ही गांव में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हो, बाल श्रम बाल विवाह मुक्त पंचायत हो, बच्चों के विकास के लिए पंचायत में स्वच्छ वातावरण का निर्माण हो,किशोरीयों के लिए अलग से पंचायत स्तर पर इंडोर स्टेडियम (खेल भवन) का निर्माण हो, अपराध मुक्त हमारा पंचायत हो, बच्चों के विकास के लिए पंचायत स्तर पर पुस्तकालय की व्यवस्था हो। पंचायत में सड़कों के किनारे स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था हो। बाल पंचायत में उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा, विकास मित्र रिंकी भारती सहित निशि कुमारी, खुशी कुमारी, क्षमा कुमारी, बिंदी, कुमारी ब्यूटी कुमारी, ज्योति कुमारी ,शिवानी कुमारी, आशी रंजना, किरण कुमारी, सोबिया खातून, जोया खातून, प्रीति कुमारी, निशा कुमारी, प्रियंका, रंजना, अमित कुमार, हिमांशु कुमार, रिशु कुमार, कुंदन कुमार, गौरव कुमार, रतन कुमार, मुकुल कुमार सहित बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया।

डीएम ने बच्चे को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर की कार्यक्रम की शुरुआत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में रविवार को पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत मुशहर टोली सूरजपुर, पिपराकोठी प्रखंड में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने नन्हें बच्चे को पोलियो खुराक देकर कार्यक्रम की शुभारंभ किया। यह पल्स पोलियो कार्यक्रम 17 नवम्बर से 21 नवम्बर तक सभी प्रखंडो में चलेगा। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने इस अवसर पर सभी स्वास्थ्य कर्मियों को अपना पुरा योगदान देने को कहा। उन्होने कहा कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों तक यह खुराक पहूंचाया जाना आवश्यक है, ताकि इस राष्ट्रीय अभियान से भारत को पोलियो मुक्त रखा जा सके, किसी भी तरह की कोताही बरतने पर कार्यवाही की जायेगी। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि 05 वर्ष तक के 1 लाख 81 हजार बच्चों को पोलियो से बचाव को दवा पिलाई जाएगी। सीएस ने कहा कि पोलियो जैसे गंभीर रोग से हमारे बच्चों को बचाने के लिए टीकाकरण करना बहुत जरूरी है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के मामले फिर से बढ़ने की पृष्ठभूमि में प्रतिरक्षा स्तर को ऊंचा रखना आवश्यक है। उद्घाटन में मुख्य अतिथि के साथ सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरतचंद्र शर्मा, डब्ल्यूएचओ एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा, युनिसेफ के डॉ. धर्मेन्द्र कुमार और बीडीओ निधि सिन्हा मौजूद रहे।

पैक्स चुनाव के नामांकन के पहले दिन प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

बीएनएम। मोतिहारी

हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय में रविवार को पैक्स चुनाव को लेकर पहले दिन 40 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरा। जिसमें पैक्स अध्यक्ष पद के लिए 7 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दिया। जबकि प्रबंधकारिणी सदस्य के पद के लिए 15 व पिछड़ा वर्ग से 5 अत्यंत पिछड़ा वर्ग से 7 अनुशासित जनजाति से 6 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पैक्स अध्यक्ष पद के लिए चढ़रहिया से धर्मेंद्र कुमार तिवारी, जागपाकड़ से पैक्स से रामबाबू ठाकुर, पानापुर से अखिलेश कुमार, भादा से काजू खान सहित अन्य प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जानकारी देते हुए प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के 19 पैक्सों में से 18 पैक्सों के चुनाव के लिए रविवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गयी। यह नामांकन 19 नवंबर तक चलेगा और आगामी 1 दिसम्बर को चुनाव होगा। उन्होंने बताया कि एक हरपुरराय पैक्स का कार्यकाल अभी पूरा नहीं होने को लेकर 18 पैक्सों में ही चुनाव हो रहा है। मौके पर बीडीओ मनोज कुमार, दंडाधिकारी कौशल कुमार सिंह, दरोगा शंभू मालाकार के साथ पुलिस बल सहित अन्य प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

एमजीसीयू के चार छात्र एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के लिए हुए चयनित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के चार छात्रों का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के लिए हुआ है। इन चारों छात्र का चयन बिहार के 38 जिलों के 3,000 से अधिक आवेदकों के बीच दो-स्तरीय साक्षात्कार प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद किया गया है। चयनित छात्रों में गांधी अध्ययन एवं शांति विभाग के पीएचडी शोधार्थी हैं और गोपालगंज जिला के खजुहट्टी गांव के ऋषभदेव शुक्ल, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बी.टेक (सीएसई) द्वितीय वर्ष के छात्र व पूर्वी चंपारण जिला निवासी आदिल लतीफ, बी.टेक (सीएसई) चतुर्थ वर्ष की छात्रा व पूर्वी चंपारण जिला निवासी संजना कुमारी व सामाजिक कार्य विभाग की तृतीय सेमेस्टर की छात्रा और बेगूसराय जिला निवासी रूपाली कुमारी शामिल है। उल्लेखनीय है,कि यह कार्यक्रम नवंबर के अंतिम सप्ताह और दिसंबर के पहले सप्ताह के बीच कर्नाटक के आईआईटी धारवाड़ में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान चयनित छात्र बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेंगे। एमजीसीयू कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा, कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। इन छात्रों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से यह सम्मान अर्जित किया है। यह चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि एमजीसीयू के शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्थान का प्रमाण भी है। वही जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने कहा, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में एमजीसीयू छात्रो की भागीदारी यह दर्शाने के लिए काफी है,कि एमजीसीयू के छात्र न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आदापुर व दरपा पुलिस ने पांच पियक्कड़ व चार वारंटी को भेजा जेल

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आदापुर व दरपा पुलिस ने अलग अलग जगहों से छापेमारी कर पांच पियक्कड़ व चार वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में रविवार को भेज दिया है। आदापुर थानाध्यक्ष ने अपने अल्प काल में ने दो पियक्कड़, चार वारंटी के अलावे इक्कीस लोगो को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।वही दरपा पुलिस ने तीन पियक्कड़ को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।थानाध्यक्ष धर्मवीर चौधरी ने बताया कि हरपुर थाना क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी बिपिन सिंह के पुत्र अनमोल कुमार, राम निवास राउत के पुत्र ओम प्रकाश पटेल शराब पीने के आरोप में व थाना क्षेत्र के वारंटी बखरी गांव के रामजी राम के पुत्र योगेन्द्र राम, सुलेमान अंसारी के पुत्र असगर अंसारी, जलेश्वर राय के पुत्र बद्री राय, टिकुलिया गांव से रस सिंह मुखिया के पुत्र लालाबाबू मुखिया को जेल भेजा गया है। वही दरपा थानाध्यक्ष उमाशंकर माझी ने बताया गम्हरिया गांव निवासी विजय शाह के पुत्र राजू शाह नरकटिया गांव के विनोद साह के पुत्र.राज कुमार ,रक्सौल थानाक्षेत्र के जोकियारी गांव के नवल मुखिया के पुत्र राजेश मुखिया को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में भेजने की करवाई की जा रही है।

चेंबर ऑफ कॉमर्स की 25वीं कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के 25वीं कार्यकारिणी की ग्यारहवीं बैठक निजी होटल के सभागार में चेंबर अध्यक्ष राजीव विजडम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा की शुरूवात महासचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव ने गत बैठक के कार्यवाही की रिपोर्ट और गतिविधियों की रिपोर्ट सभा के समक्ष रखी।बैठक में मुख्य अतिथि सहायक नियोजन आयुक्त निलेश विशिष्ट आमंत्रित सदस्य अनिल बोहरा, जयप्रकाश गुप्ता और मोहसिन आलम का तालियो के साथ अभिनंदन करते हुए परिचय कराया गया,।अध्यक्ष राजीव विजडम के द्वारा चैंबर के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम वन भोज नवबर्ष की उमंग गांव के बच्चों के संग और पुलिस व्यावसाई संवाद अगामी महीना में कराने की क्रमवार करने के लिए एक कमिटी का गठन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए सहायक नियोजन आयुक्त निलेश ने कहा आप सभी व्यापारियों को अगर नॉन स्किल्ड, स्किल्ड, सेमी स्किल्ड स्टाफ का जरूरत हो तो व्यापारी अपना फर्म का नाम GST no और PAN no के साथ आवेदन करें विभाग में उसे उचित सरकारी दर पे स्टाफ मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने ये भी बताया आगामी 25 नवंबर को एक जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष राजीव विजडम ने कहा कि व्यावसायिक हित में मोतिहारी चैंबर सदैव तत्पर है और व्यावसायिक हित के कार्य पूरे जोर-शोर से किए जाएंगे, बैठक में संयोजक मनीष कुमार संस्थापक अध्यक्ष बीरेंद्र जालान,पूर्व अध्यक्ष रवि कृष्ण लोहिया, सुधीर अग्रवाल, अनुपम जायसवाल,उपाध्यक्ष हेमंत कुमार, कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर खुर्शीद, विक्रांत, अभिषेक लोहिया, अभिषेक केडिया उपस्थित रहे। सभा का धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अरविंद श्रॉफ के द्वारा किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सह सचिव आलोक कुमार ने दिया।

घने कोहरे के कारण नहर में गिरा स्कार्पियो,बाल-बाल बचे सवार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के पचभिड़वा गण्डक नहर दस आरडी पुल में शनिवार की देर रात घने कोहरे के कारण एक स्कॉर्पियो नहर में गिर गया।हालांकि इस घटना कोई हताहत नही हुआ। चिंतामनपुर निवासी गाड़ी मालिक दिलीप साह ने बताया कि शनिवार की देर रात में शादी समारोह से लौट रहे थे।इसी दौरान गहरे घुंध व कोहरे के कारण नही दिखने से गाड़ी नहर में गिर गई। लेकिन हम लोग बाल-बाल बच गये। थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने घटना की सूचना के बाद स्कार्पियो सवार सभी को बाहर निकाल लिया गया। घटना की जांच की जा रही है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बाल पंचायत हमारा दरबार का किया गया आयोजित

बीएनएम। पिपराकोठी

पिपराकोठी प्रखंड के पंडितपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुछपरा के प्रांगण में महिला एवं बाल विकास निगम,समाज कल्याण विभाग यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के अंतर्गत बाल पंचायत हमारा दरबार का आयोजन किया गया।बाल अधिकार सप्ताह के अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने कहा कि आज बच्चों के अधिकार का दिवस है, बच्चों के अधिकार को बताते हुए कहा कि मुख्य चार अधिकार है। जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, संरक्षण का अधिकार और सहभागिता के अधिकार की विशेषताओं को बताया। उन्होंने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए समुदाय और जनप्रतिनिधियों को आगे आने का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों और कुप्रथाओं जैसे बाल विवाह ,बाल श्रम को समाप्त करने में समुदाय और प्रतिनिधियों की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। बाल पंचायत में किशोर किशोरियों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम,बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति, जल एवं स्वच्छता, पर्यावरण से सम्बंधित चित्र बनाकर समाज और समुदाय को संदेश दिया। बाल पंचायत कार्यक्रम में बच्चों ने पंचायत की समस्याओं को चिन्हित कर उसके समाधान के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल करने के लिए मांगपत्र सौंपा।जन वितरण प्रणाली के दुकानों में गेहूं और चावल के अतिरिक्त सरसों तेल, साबुन, चीनी सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता कु मांग की। साथ ही गांव में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हो, बाल श्रम बाल विवाह मुक्त पंचायत हो, बच्चों के विकास के लिए पंचायत में स्वच्छ वातावरण का निर्माण हो,किशोरीयों के लिए अलग से पंचायत स्तर पर इंडोर स्टेडियम (खेल भवन) का निर्माण हो, अपराध मुक्त हमारा पंचायत हो, बच्चों के विकास के लिए पंचायत स्तर पर पुस्तकालय की व्यवस्था हो। पंचायत में सड़कों के किनारे स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था हो । बाल पंचायत में उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा,विकास मित्र रिंकी भारती, सहित निशि कुमारी खुशी कुमारी, क्षमा कुमारी, बिंदी, कुमारी ब्यूटी कुमारी, ज्योति कुमारी ,शिवानी कुमारी, आशी रंजना, किरण कुमारी, सोबिया खातून, जोया खातून, प्रीति कुमारी, निशा कुमारी, प्रियंका, रंजना ,अमित कुमार, हिमांशु कुमार, रिशु कुमार, कुंदन कुमार, गौरव कुमार, रतन कुमार, मुकुल कुमार सहित बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

बीडीओ ने पल्स पोलियो कार्यक्रम का किया शुभारंभ

बीएनएम। तुरकौलिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुरकौलिया पर पल्स पोलियो कार्यक्रम का रविवार को शुभारंभ किया गया। जिसका उदघाटन बीडीओ प्रियंका कुमारी ने बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाकर किया। सीएचसी प्रभारी डॉ. अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम आगामी 21 नवंबर तक चलेगा। जहां 0-5 वर्ष तक के आयु के बच्चे-बच्चियों को पोलियों का खुराक दिया जाएगा। इसके लिए अस्पताल में अलग से व्यवस्था की गई है। मौके पर बीएचएम नौशादुल आज़म, प्रखंड प्रसार प्रशिक्षक जमाल अहमद, ओंकार नाथ, कुमार बिमलेंदु शेखर, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

टैलेंट हंट एक्जाम शांतिपूर्ण सम्पन्न

बीएनएम।छौड़ादानो। एनजीएस फाउंडेशन द्वारा आयोजित टैलेंट हंट एक्जाम में रविवार को सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने शांतिपूर्ण एक्जाम दिया। जिसमें उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए विशेष पुरस्कार वितरण का आयोजन एक महीने के अंदर कर दिया जाएगा। टैलेंट हंट एक्जाम में 250 से अधिक छात्र बनकटवा और छौंड़ादानों प्रखण्ड के शामिल हुए थे। बताया गया है कि एक महीना पहले टैलेंट हंट एक्जाम के लिए फॉर्म अप्लाई कराया गया। जिसमें 8, 9 और 10 क्लास के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

छापेमारी में शराब भट्ठी को किया गया ध्वस्त

बीएनएम।केसरिया। शराब माफियाओं के खिलाफ केसरिया पुलिस ने शनिवार को अभियान चलाया। इस दौरान लोहरगावाँ चंवर स्थित सोमवती नदी किनारे चल रहे अवैध देशी शराब भट्ठी की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। जहाँ पुलिस ने आधा दर्जन अवैध शराब भट्ठी को ध्वस्त किया। पीएसआई अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में छापामारी दल ने करीब 25 सौ लीटर अर्द्ध निर्मित देशी शराब बरामद कर उसे नष्ट किया। साथ हीं शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद की गई है। हालांकि शराब तस्कर भागने में सफल रहा।

पैक्स चुनाव नामांकनः दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए 10 और सदस्य के लिए 64 आवेदन पड़े

बीएनएम। तुरकौलिया।

तुरकौलिया। प्रखंड में पैक्स चुनाव का नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए 10 और सदस्य के लिए 64 आवेदन पड़े है। बीडीओ प्रियंका कुमारी ने बताया कि रविवार को विजुलपुर पैक्स से 1, माधोपुर मधुमालत से 1, जयसिंहपुर पूर्वी से 2, तुरकौलिया पूर्वी से 2, जयसिंहपुर उतरी से 1, तुरकौलिया मध्य से 1 व परशुरामपुर से 2 नामांकन पत्र भरा गया है। नवंबर 16 से 18 तारीख तक नामांकन का पर्चा दाखिल करने का समय निर्धारित है। सोमवार को भी पर्चा दाखिल किया जाएगा। 29 को चुनाव है और 30 तारीख को मतगणना के बाद नतीजा सुनाया जाएगा। तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत 14 पंचायत है। जहां 13 पंचायतों में पैक्स का चुनाव कराया जा रहा है। विहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा जयसिंहपुर दक्षिणी पंचायत में कथित कारणों से चुनाव पर रोक लगा दिया गया है। नामांकन के दौरान भुपेंद्र कुमार, मासूम रजा, शिवनारायण राम, नेहा रानी, सुजाता कुमारी व अमीत कुमार सहयोगी कुर्मी के रूप में मौजूद थे।

तीन चोरी की बाइक के साथ दो लोगों गिरफ्तार

अपाची, स्प्लेंडर प्लस व यामाहा फ्रेजर बाइक के साथ एक चाकू व चाभी का गुच्छा जप्त

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर चिलराव में रविवार को छापेमारी कर तीन चोरी की बाइक के साथ दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला भी शामिल है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के बयान पर सुखद देवी, शत्रुघ्न कुमार व प्रमेंद्र कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था कि जयसिंहपुर चिलराव में चोरी की बाइक बली मांझी के घर में छुपाकर रखा गया है। जहां पुलिस बल के साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान तीन चोरी की बाइक को बरामद किया गया। वहीं बली मांझी की पत्नी सुखल देवी व चिरैया थाना क्षेत्र के पिरारी गांव के शत्रुघ्न को गिरफ्तार किया है। वही पुलिस को देख बली मांझी का पुत्र प्रमेंद्र कुमार भागने में सफल हो गया। अपाची, स्प्लेंडर प्लस व यामाहा फ्रेजर बाइक के साथ एक चाकू व चाभी का गुच्छा को जप्त कर दोनों आरोपित को जेल भेज दिया गया है।

नकली व्हील डिटर्जेंट पाउडर के मिनी फैक्ट्री का कोटवा पुलिस ने किया उद्भेदन

बीएनएम। कोटवा।

पुलिस द्वारा रविवार को कोटवा में नकली व्हील डिटर्जेंट पाउडर के एक मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। इस दौरान आधा किलो एवं एक किलो पैकेट से भरा 91 बोरी बरामद किया गया है। मौके से दो लोगों को पुलिस थाने लाकर पूछ ताछ कर रही है। छापेमारी में व्हील डिटर्जेंट पाउडर का रैपर, बोरा सिलाई मशीन, वेट मशीन, पिकअप सहित कई अन्य सामान भी बरामद किया गया है। इस अवैध धंधे में कुछ सफेद पोश लोगों के नाम उजागर होने का अनुमान है। पिकअप पर नकली डिटर्जेंट पाउडर लादकर कही ले जाने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस द्वारा तत्काल वरीय पदाधिकारी को इसकी सूचना दी गई। पदाधिकारियों के निर्देश पर सीओ के साथ पुलिस द्वारा टीम बनाकर छापेमारी की गई। इस दौरान कोटवा में एक घर में उक्त धंधा किया जा रहा था। छापेमारी में सीओ मोनिका आनंद, थानाध्यक्ष राजरूप राय, पीएसआई सूर्यकांत प्रसाद, एसआई रतन गगोई, महिला सिपाही ममता कुमारी, 112 के पदाधिकारी लक्ष्मण कुमार, रुबाश कुमार, कमलेश ठाकुर सहित कई पुलिस पदाधिकारी व पुलिस जवान थे शामिल। थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया कि थाना लिए गए दो लोगों से पूछताछ की जा रही है साथ प्राथमिकी की प्रक्रिया भी चल रही है।

रामनगर के जन सुराज पार्टी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने जन सूरज के सभी पदों से इस्तीफा दिया

बीएनएम। रामनगर

रामनगर के जन सुराज पार्टी के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप शर्मा जी के कहा कि जन सुराज के दोहरी नीति की कारण जो समाज में मैने वादा कर रहा था प्रचार प्रसार लोगो में काफी उत्साहित थी लेकिन जन सुराज पार्टी ने लोगो को गुमराह कर रहा है अपनी दोहरी नीति की कारण वह जो वादा करके वह जो समाज को अपने तरफ आकर्षित कर रहा था लेकिन बाद में पता चला कि पिछड़े जाती के लोगों और गरीब तबके के लोगों को गुमराह कर रहा है इस पार्टी का मिशन समाज से अलग हट के है वो सिर्फ लोगो को गुमराह कर वोट को काटने का काम कर रहा है कि जिससे वो मोल कर चल रहा ही वो पार्टी अच्छा से रामनगर विधान सभा में रन कर सके ऐसा बात जगह जगह पे सुनने को मिल रहा है और बदनामी का सामान करना पड़ रहा था यहां तक के कुछ ऐसे लोग पार्टी में है कि पार्टी को बदनाम करा कर पार्टी को निचले अस्तर पर लेजाना चाहते है मैं श्री प्रशांत किशोर जी के साथ खड़ा हो कर चला था कि प्रशांत किशोर जी बहुत ही लोक प्रिय नेता है जो सब को साथ में लेकर चलते है और उम्मीद करता हु कि हमारे बिहार में बहुत अच्छा काम करेंगे गए मुझे गर्भ है लेकिन कुछ कार्यकर्ता ऐसे है जो उनके छवि को बदनाम कर रहे है मैंने कुछ कार्यकर्ता के वजह से इस्तीफा दिया हु पर मैं हमेशा प्रिय नेता श्री प्रशांत किशोर जी के साथ तन मन के साथ खड़ा रहूंगा और मैं आज भी आपका प्रचार प्रसार करता रहूंगा जय हिन्द जय भारत

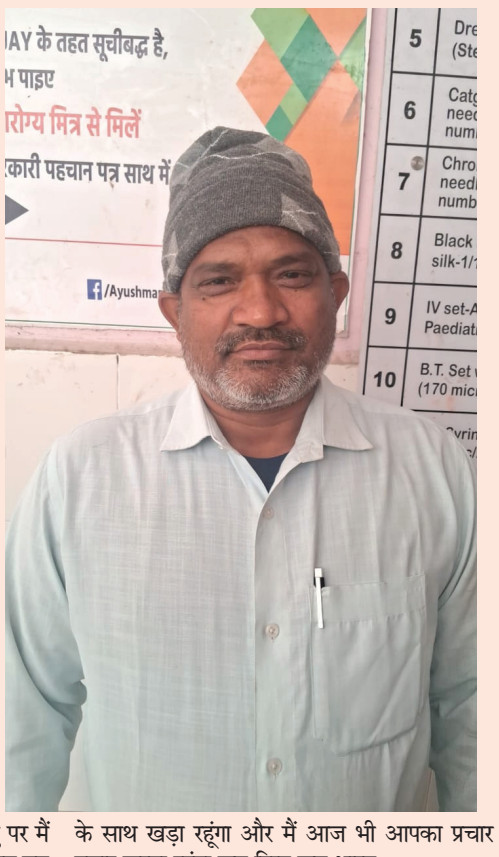

भारत विरोधी गतिविधियों को संरक्षण

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हिंदू मंदिर के पास हुई हिंसा को अस्वीकार्य बताया है। लेकिन उनकी जिम्मेदारी सिर्फ इसी से पूरी नहीं हो जाती। उन्हें इस शिकायत को दूर करना चाहिए कि कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों को संरक्षण दिया गया है। कनाडा में सड़कों पर भारतीय मूल के लोग मजहबी पहचान के आधार पर लडऩे-भिडऩे लगें, तो समझा जा सकता है कि वहां स्थिति कितनी खतरनाक बन गई है। वैसे भी गुजरे सवा साल में भारत- कनाडा के कूटनीतिक संबंधों में बढ़ी टकराहट ने वहां रहने वाले लाखों भारतवंशियों को आशंकित कर रखा है। रविवार को इसमें नया अध्याय जुड़ा, जब ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर के बाहर खालिस्तान समर्थक सिख पहुंच गए, जब वहां भारतीय वाणिज्य दूतवास का शिविर लगा हुआ था। खालिस्तान समर्थकों की नारेबाजी पर हिंदू समुदाय के लोगों ने आपत्ति की, जिस पर झगड़ा शुरू हो गया। कनाडा पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जो सभी हिंदू समुदाय के हैं। इस घटनाक्रम ने भावनाओं में और उबाल ला दिया है। घटना पर पहले कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग, फिर भारतीय विदेश मंत्रालय, और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान जारी किया। मोदी ने कहा- "मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर जानबूझ कर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने के कायरतापूर्ण प्रयास भी उतने ही भयावह हैं।" इसके पहले भारतीय उच्चायोग ने "भारत विरोधी तत्वों के हमले" की निंदा की थी। स्पष्ट है, भारत सरकार ने घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। बहरहाल, प्रमुख मुद्दा यह है कि कनाडा में भारतवंशियों के बीच ऐसे विस्फोटक हालात क्यों बनते जा रहे हैं और अब समाधान क्या है? क्या कनाडावासी भारतीय मूल के लोगों में फिर से आपसी संवाद कायम करना संभव है, ताकि मतभेदों के बावजूद वे हिंसा का शिकार ना बनें? ऐसे प्रयासों में दोनों देशों की सरकारों की प्रमुख भूमिका होनी चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर के पास हुई हिंसा को अस्वीकार्य बताते हुए शांति की अपील की है। लेकिन उनकी जिम्मेदारी सिर्फ इसी से पूरी नहीं हो जाती। उन्हें भारतवंशियों के मन में बैठी इस शिकायत का समाधान निकालना चाहिए कि उनकी सरकार कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों को संरक्षण देती है। उधर भारत सरकार से अपेक्षा है कि वह सभी समुदायों की तरफ बोले और कनाडा में सामुदायिक शांति के पक्ष में समझौताविहीन संदेश दे।

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिफ़र् नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिफ़र् साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिफ़र् हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी! इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिफ़र् रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है। अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिफ़र् इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया। विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की! भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुजुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

'सांस्कृतिक मार्क्सवाद' सॉफ्ट पॉवर कोलोनाइजेशन का हथियार

शिवेश प्रताप

2004 में टाइम पत्रिका के दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक प्रसिद्ध ब्रिटिश-अमेरिकी इतिहासकार इतिहासकार नियाल फर्गुसन ने कहा है, "सॉफ्ट पावर बहुत शांत होता है। हमें सेना या आर्थिक हार्ड पावर को प्रयोग करने की आवश्यकता ही क्या है जबकि हमारे पास इससे बेहतर संसाधन सॉफ्ट पावर के रूप में मौजूद हैं।" राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत जी ने जब नागपुर में विजयदशमी के अवसर पर अपने संबोधन में 'सांस्कृतिक मार्क्सवाद' और 'वोक संस्कृति' पर अपना विचार रखा तो नियाल फर्गुसन की इस बात के दीर्घकालिक मायने भारत के परिप्रेक्ष्य में समझे जा सकते हैं। खुद को 'जागृत' या 'वोक' कहने वाले लोग आधुनिकता के नाम पर पारंपरिक मान्यताओं और व्यवस्थाओं को ध्वस्त करने का प्रयास कर रहे हैं। भागवत जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि ये विचारधारा विनाशकारी और सर्वभक्षी है, जो भारतीय समाज के मूल्यों और उसकी सांस्कृतिक धरोहर के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये लोग न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सुव्यवस्था, नैतिकता, उपकार और गरिमा के विरोधी हैं। उनके अनुसार, ये ताकतें समाज में अलगाव और भेदभाव पैदा करके उसे कमजोर करना चाहती हैं ताकि विनाशकारी शक्तियों का प्रभुत्व कायम किया जा सके। 'वोक संस्कृति' की आलोचना करते हुए भागवत जी ने कहा कि ये लोग शिक्षा और मीडिया पर नियंत्रण करके समाज को भ्रम, भय और घृणा के चक्रव्यूह में फंसाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि 'वोक' विचारधारा का उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक वातावरण को अराजक और भ्रष्ट बनाना है, जिससे समाज भीतर से कमजोर हो जाए। भागवत जी ने कहा कि इस विचारधारा से प्रभावित लोग नहीं चाहते कि भारत अपने दम पर खड़ा हो और इसलिए वे समाज की एकजुटता को तोड़ने के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित सकारात्मक बदलावों के साथ आगे बढ़ें, जिससे न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को सही दिशा मिल सके। कुल मिलाकर भागवत जी ने सॉफ्ट पॉवर कोलोनाइजेशन पर आघात करते हुए भारतीय समाज को इसके विरुद्ध जागरूक करने का प्रयत्न किया। आइये मोहन भागवत जी के इन विचारों का गहराई से जाननें का प्रयत्न करते हैं। दुनिया में हुए लोकतांत्रिक जागरण एवं संचार क्रांति के द्वारा जब औपनिवेशिक शक्तियों के लिए सामाजिक व शारीरिक गुलामी संभव नहीं रही तो वैचारिक गुलामी का एक नया दौर प्रारंभ किया गया जिसे सॉफ्ट पॉवर कोलोनाइजेशन कहा जाता है। इस नए दौर की औपनिवेशक शक्तियां धर्मान्तरणकारी, पूंजीवादी और वामपंथी स्वरूपों में इस वैचारिक गुलामी को प्रभावी बनाते दिखाई देती हैं। वैश्विक स्तर पर इस्लाम एवं ईसाइयत के बीच चलने वाला घोषित युद्ध हो या पूंजीवादी देशों एवं वामपंथी विचारधारा के बीच का अघोषित युद्ध, भारत इन अधर्मी ताकतों के लिए जनसँख्या, भूगोल, जलवायु, आदि सभी रूपों से अपने प्रदर्शन के लिए सबसे सुखद संभावनाओं वाला देश दिखाई पड़ता है। दुनिया भर में 1991 में हुए साम्यवादी-वामपंथी शक्तियों के पराभव के बाद चीन धीरे-धीरे एक पूंजीवादी देश बन गया तथा भारतीय वामपंथी विचारधारा भारत में एक परिजीवी बनकर इस्लामिक एवं ईसाई धर्मान्तरण एवं पूंजीवादी ताकतों की बी टीम के रूप में कार्य कर रही है। इसका एकमात्र लक्ष्य है भारत की सनातन परंपरा का नुकसान कर इसे इस्लामिक एवं ईसाई ताकतों का उपनिवेश बना दिया जाए। इन्हीं उपरोक्त विचारों के क्रम में विगत 3 दशाब्दियों से वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के नाम पर पूंजीवादी देशों (अमेरिका, यूरोप एवं चीन) के द्वारा भारत को आर्थिक उपनिवेश बनाने एवं धर्मान्तरण की शक्तियों द्वारा इसे अरब एवं वेटिकन का धार्मिक उपनिवेश बनाने हेतु भारत की कुटुंब प्रणाली पर लगातार आघात किया जा रहा है क्यों की यही परिवार व्यवस्था इन कुचक्रों हेतु सबसे बड़ी बाधा बन रहा है।

उपभोक्तावाद के निशाने पर भारतीयः उपभोक्तावाद वह सिद्धांत है जिसके अनुसार ऐसे विचार गढ़े जाते हैं की जो व्यक्ति बड़ी मात्रा में वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करते हैं, वे बेहतर स्थिति में होते हैं। थोरस्टीन वेबलन 19वीं सदी के अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री थे, जिन्हें अपनी पुस्तक "द थ्योरी ऑफ़ द लीजर क्लास" (1899) में "विशिष्ट उपभोग" शब्द गढ़ा। विशिष्ट उपभोग किसी की सामाजिक स्थिति को दिखाने का एक साधन है, खासकर जब सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित सामान और सेवाएँ उसी वर्ग के अन्य सदस्यों के लिए बहुत महंगी हों। आमतौर पर उपभोक्तावाद का मतलब पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में रहने वाले लोगों की अत्यधिक भौतिकवाद की जीवनशैली अपनाने की प्रवृत्ति से है, जो कि रिफ्लेक्सिव, अत्यधिक उपभोग के इर्द-गिर्द घूमती है। सांस्कृतिक पारिवारिक ढांचे में एक ओर जहाँ एक भाई दुसरे के सुख दुःख में भाग लेकर, अपने माता पिता की सेवा करने में सुख और शांति महसूस करता था, उसे अब उपभोक्तावाद ने कमाई के अनुरूप अपने भौतिक सुखों की वृद्धि के मानक पर विभाजित कर दिया। उपभोक्तावाद ने विज्ञापन उद्योग के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं को जन संस्कृति के अगुआ के रूप में स्थापित करती है जो सक्रिय और रचनात्मक लोगों के बजाय ब्रांडों द्वारा नियंत्रित लोगों को लोकप्रिय बनती है। ऐसे नियोजित पूर्वाग्रह उपभोक्तावाद को जन्म देते हैं। अगर इन पूर्वाग्रहों को खत्म कर दिया जाए, तो बहुत से लोग कम उपभोक्तावादी जीवनशैली अपनाएंगे। उपभोक्तावाद का एक उदाहरण हर साल मोबाइल फोन के नए मॉडल पेश करना है। जबकि कुछ साल पुराना मोबाइल डिवाइस पूरी तरह से काम करने लायक और पर्याप्त हो सकता है, उपभोक्तावाद लोगों को उन मोबाइल को छोड़ने और नियमित आधार पर नए मोबाइल खरीदने के लिए प्रेरित करता रहता है। जबकि यही पैसा परिवार के भाई, भतीजे, बेटी, बुजुर्ग माता-पिता की जरूरतों में खर्च हो सकता था लेकिन उपभोक्तावाद ने इस सामाजिक साहचर्य को ख़त्म कर दिया। इसी उपभोगवादी समाज में अब अपने रिश्तेदारों मामा, चाचा, फूफा के यहाँ रहकर पढ़ने-लिखने, जीवन बनाने जैसे उदहारण भी दिखना लगभग शून्य हो चुका है। इस अर्थ में, उपभोक्तावाद को पारंपरिक मूल्यों और जीवन के तरीकों के विनाश, बड़े व्यवसायों द्वारा उपभोक्ता शोषण, पर्यावरण क्षरण और नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभावों में योगदान देने के लिए व्यापक रूप से समझा जा सकता है।

परिवार/विवाह संस्कार पर आघातः कुटुंब व्यवस्था का आधार स्तम्भ है विवाह संस्कार। पति एवं पत्नी मिलकर वंश परंपरा में तीन पीढ़ियों का पलान-पोषण करते हैं, जिसमें उनके माता-पिता एवं बच्चे शामिल होते हैं। पूंजीवादी शक्तियों के भारत में पनपने में यह सबसे बड़ी बाधा हैं क्योंकि एक ही छत के नीचे स्त्रियाँ मिलकर सभी गृहकार्य कर लेती हैं और पुरुष मिलकर आर्थिक एवं सामाजिक दायित्व निभाते हैं। बुजुर्ग, बच्चों के साथ संवाद कर उनके जिज्ञासाओं को पुष्ट करते हुए उन्हें सामाजिक संस्कार देते हैं। कल्पना करिए कि यही विवाह संस्कार टूटने से क्या प्रभाव पड़ेगा। बुजुर्गों को मोटी फीस देकर वृद्धाश्रम में रहना पड़ेगा, उनके लिए नर्स, कुक, क्लीनर आदि सेवक सेविकाएँ सब पैसे पर आयेंगे। इसके अलावा सभी स्त्री एवं पुरुष जो एकल जीवन शैली में रहेंगे वो भी अपनी सभी जीवन से जुडी आवश्यकताओं हेतु बाजार पर निर्भर होंगे। घर से रसोई कक्ष खत्म होगा तो रेस्टोरेंट व्यवसाय को गति मिलेगी। इसके अलावा कपड़े धुलने हेतु लांड्री, सफाई हेतु क्लीनर आदि सभी आवश्यकताओं हेतु व्यक्ति बाजार पर निर्भर होगा। 'यूज एंड थ्रो' की संस्कृति विकसित होने से पूंजीवाद पर निर्भर व्यक्ति एक इकाई के रूप में भाव शून्य होकर केवल पैसे कमाकर अपनी जरूरतों को पूर्ण करने का एक यन्त्र बन जाएगा। विवाह परंपरा के समाप्त होने से व्यक्ति का कुटुंब समाप्त होगा तो एकल व्यक्ति का ब्रेनवाश करना धर्मान्तरण गिरोहों के लिए बेहद आसान होगा। किसी को वृद्धाश्रम की सेवा के नाम पर मतांतरित किया जायेगा तो किसी को सांसारिक मुक्ति के नाम पर। बच्चे जो अपने बाबा-दादी से अलग परिचारिकाओं के संरक्षण में पलेंगे, या माता-पिता के साथ एकाकी जीवन में होंगे तो उनके भीतर मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संस्कार शून्य होंगे। इससे उनका ब्रेनवाश आसानी से संभव होगा। अभी सम्पूर्ण विश्व ने आईएसआईएस के द्वारा यूरोप के बच्चों को आतंक हेतु इन्टरनेट पर प्रभावित करते देखा गया जिससे वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हैं। यह उदहारण अब केरल और बंगाल आदि भारतीय प्रदेशों में भी दिखाई दे रहे हैं।

फ्री-सोल और DINK संस्कृति के कुचक्र में नई पीढ़ीः "DINK" एक संक्षिप्त नाम है जिसका अर्थ है "डबल इनकम, नो चाइल्ड्स", जो उन दम्पतियों को संदर्भित करता है जो स्वेच्छा से निःसंतान हैं। विवाह परंपरा का विरोध और यौन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु लिव-इन संबंधों के प्रचार द्वारा भारत के सामाजिक चरित्र हरण के पीछे धर्मांतरणवादी समूहों का योगदान है। इसके लिए इस प्रकार के विमर्श को प्रमुखता दी जाती है जिसमें युवाओं को बताया जाता है की आप मुक्त इकाई हो, "जिंदगी न मिलेगी दोबारा" आदि जुमलों को आधार बनाकर माता, पिता, समाज एवं परम्पराओं को धता बताकर केवल अपने करियर निर्माण पर ध्यान देने की बात कही जाती है। इससे पूंजीवादी कंपनियां एक मानव को पारिवारिक इकाई से औद्योगिक इकाई के रूप में परिवर्तित कर केवल अपना उल्लू सीधा करते हैं और जब एक आयु और उर्जा के बाद आप को एहसास होता है की परिवार और समाज की आवश्यकता है तब तक देर हो चुकी होती है और समाज के प्रवाह में पीछे छुट गए युवा डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं।

ट्रम्प की जीत और भारत-अमेरिका संबंध

सुरेश हिंदुस्तानी

व्हाइट हाउस में ट्रम्प की वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बनाया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली-भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनाव में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा

है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश-दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानी पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, जब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के खिलाफ कार्रवाई करने को कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के खिलाफ कार्रवाई कैसे कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

शब्द पहेली - 8315

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8314 का हल

फ	न	का	र		ग	ज	रा	
ला	त		वै		ज		ह	क
हा		या	या	व	र			ल
र	स	द		ध		प	ला	श
		गा	ल		जी	त		
क	हा	र		आ		झ	र	ना
हा			ग	ठ	जो	ड़		म
नी	र		म		क		ना	व
	ब	द	न		र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा और मन शांत रहेगा। आज छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाश कर पायेंगे। जमीन- जायदाद के मामलों आज फैसला आपके पक्ष में आयेगा। आज आपके विरोधी भी आपके सामने दोस्ती का हाथ आगे बढ़ायेंगे। हर कोई आपकी प्रतिभा का लोहा मानेगा। जो लोग संगीत गायन या वादन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें किसी बड़ी जगह परफॉर्म ?स करने का मौका मिल सकता है।

वृष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा। आज आप खुद तो गौरवानवित महसूस करेंगे। अगर आप कास्मेटिक का बिजनेस शुरु करना चाह रहे हैं तो उसके दिन आज का दिन उत्तम है। इस राशि के वकीलों के लिये आज का दिन बहुत ही अच्छा गुजरने वाला है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन नॉर्मल रहेगा। आज आपको कार्यक्षेत्र में पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज आप हर स्थिति में अपना भावनात्मक संतुलन बनाने की कोशिश करेंगे और इसमें सफल भी रहेंगे। कठिन परिस्थिति बने, तो खुद को शांत रखने की कोशिश करें। जो लोग सोने या चांदी के व्यापार से जुड़े हैं उन्हे सतर्कता बरतने की जरुरत है। बिना जांच-पड़ताल के कहीं भी निवेश करने से बचना होगा। आज घर के आस-पास किसी सामाजिक समारोह का हिस्सा बन सकते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी बड़ी डील या पार्टनरशिप को करने से पहले सोच-समझकर आगे बढ़ने की जरुरत है। घरवालों के साथ किसी बात को लेकर मन-मुटाव हो सकता है। आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरुरत है। आईटी के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज बिजनेस में मुनाफा होगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। धन संबंधी दिक्कतों का आज आप आसानी से हल निकाल लेंगे। उधार दिये हुये पैसे आज आपको वापस मिल सकते हैं। घरवालों के साथ समय बितेगा। परिवार में आपकी इज्जत बढ़ेगी। इसके साथ ही पहले से चली आ रही समस्याओं अंत होगा। खुद को काबिल बनाने की राह में आज जो भी फैसला लेंगे वो कारगर सिद्ध होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन उम्मीद से ज्यादा अच्छा रहने वाला है। आज आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे वहां सफलता आवश्य ही आपके कदम चूमेगी। अगर आप छोटे स्तर पर कोई व्यापार शुरु करना चाहतें हैं तो उसके लिये आज का दिन उत्तम है। आपको बड़े भाई या पिता का सहयोग भी मिल सकता है। आपका हमेशा से सच्चाई के रास्ते पर चलना ही आपकी सबसे बड़ी खूबी बनेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन समान्य बना रहेगा। छात्रों को पढ़ाई में आज और ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। मेहनत का परिणाम मिलने में अभी देरी है। जो लोग प्लॉस्टिक के व्यापार से जुड़े हैं उनको बिजनेस में उम्मीद से ज्यादा तरक्की मिलेगी। आज अपनी वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता है । दूसरों के मैटर में अपनी राय रखने से बचें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज करियर में तरक्की के रास्ते खुलेंगे। हर जगह आपकी प्रसंशा भी होगी। आज कोई छोटा उद्दोग शुरु करने के लिये दिन उत्तम है। घरवालों का पूरा-पूरा सहयोग आपको मिलेगा। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्रायें आपके लिये लाभकारी सिद्ध होंगी। कोई बड़ी डील भी फाइनल हो सकती है।

धनु राशिः आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज आप किसी सामाजिक कार्य का हिस्सा भी बन सकते हैं। ऑफिस में आपके जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। हर कोई आपके कामों से प्रभावित होगा। आपको को सुयोग्य कन्या मिल सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन सही रहेगा। आज घरवालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। बच्चों के साथ कहीं पार्क घूमने जाने का प्लॉन बना सकते हैं। शिक्षण के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज तरक्की के नये अवसर मिलेंगे। आज नौकरी में प्रमोशन की संभावना बन रही है। आज आप धार्मिक कार्यों में रुची लेंगे ।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बहुत ही बेहतरीन रहने वाला है। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी । आज आपको अचानक से कुछ ऐसा हासिल हो सकता है जिसकी आपको बहुत दिनों से तलाश थी । आज पूरे दिन आप नयी उर्जा से भरे रहेंगे। आपके कामों की हर जगह प्रशंसा भी होगी। जो लोग छोटे उदयोग जुड़े है।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक बना रहेगा। खुद को आर्थिक रुप से मजबूत बनाने की योजनाओं में सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के अंदर लंबे समय से चल रहे मामलों में आज फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। किसी बड़े कानूनी सलाहकार की मदद भी आपको मिल सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल नीलामी में बचे 574 खिलाड़ी, 81 खिलाड़ियों का दो करोड़ है बेस प्राइस

366 भारतीय और 208 विदेशी, तीन खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 संस्करण के लिए आगामी मेगा प्लेयर नीलामी 24 और 25 नवंबर, 2024 को जेद्दा सऊदी अरब में होगी। बोली के लिए इंग्लैंड के जोस बटलर के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, भारत के अर्शदीप सिंह, ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क, भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, स्पिनर युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी तैयार हैं। यह सभी खिलाड़ी दो करोड़ रुपए के बेस प्राइस के साथ रजिस्टर हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग ने 2025 संस्करण के लिए बहुप्रतीक्षित खिलाड़ी नीलामी सूची जारी हो चुकी है। इसमें कुल 574 खिलाड़ी सऊदी अरब में मेगा नीलामी में शामिल होंगे। नीलामी

सूची में शामिल 574 खिलाड़ियों में से 366 भारतीय और 208 विदेशी दावेदार हैं, जिनमें एसोसिएट देशों के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी में 318 भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ी और 12 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। नीलामी इस बार खास होगी क्योंकि ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स, श्रेयस अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स और केएल राहुल को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रिटेन नहीं किया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि दो करोड़ रुपए उच्चतम आरक्षित मूल्य है, जिसमें 81 खिलाड़ियों ने उच्चतम ब्रैकेट में रहने का विकल्प चुना है। 27 खिलाड़ी हैं जिनका आरक्षित मूल्य 1.50 करोड़ है, जबकि 18 खिलाड़ी 1.25 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य के साथ मेगा नीलामी में शामिल हो रहे हैं। नीलामी की शुरुआत में दो मार्की प्लेयर सेट होंगे। बटलर, श्रेयस अय्यर, पंत, रबाडा, अर्शदीप सिंह और स्टार्क मार्की सेट एक में होंगे, जबकि मोहम्मद शमी, चहल, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मिलर, मोहम्मद सिराज और केएल राहुल मार्की सेट 2 में होंगे। फ्रेंचाइजी ने कुल 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है और कुल मिलाकर 558.5 करोड़ रुपए का निवेश किया है। पिछले साल की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और उद्घाटन सीजन के विजेता राजस्थान रॉयल्स ने छह-छह खिलाड़ियों को सुरक्षित करते हुए पूर्ण रिटेंशन का विकल्प चुना था। चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाइंट्स, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने 4, 3 और 2 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। आईपीएल खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर 4 नवंबर को बंद हो गया है, जिसमें कुल 1574 खिलाड़ियों जिसमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी ने टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए मेगा नीलामी का हिस्सा बनने के लिए साइन अप किया था।

पर्थ के मैदान पर भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है नाथन लायन

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नाथन लायन का यहां पर किया गया प्रदर्शन है। पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया के लिए अकेले स्पिन का मोर्चा नाथन लायन संभालते आ रहे है। वह अब तक 530 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों को अपना शिकार बना चुके हैं। नाथन लायन का पर्थ के मैदान से खास रिश्ता है। उनके प्रदर्शन का स्तर यहां उन्हें भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनाता है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में नाथन लायन ने अब तक 26 विकेट लिए हैं, और यह मैदान उनके कौशल का साक्षी रहा है। 2018 में भारतीय टीम ने इसी मैदान पर एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें लायन ने 8 विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। उस मैच में उनकी गेंदबाजी ने भारतीय बल्लेबाजों, खासकर विराट कोहली को चौंका दिया था। लायन के प्रदर्शन की खास बात यह है कि वह अकेले स्पिनर के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का भार उठाते हैं। जहां आज के दौर के स्पिनर बल्लेबाजों की आक्रामकता से बचने के लिए सतर्क गेंदबाजी करते हैं, वहीं लायन जोखिम लेने से नहीं डरते। फ्लाइट और टर्न के साथ उनकी गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐजाज पटेल और मिशेल सैंटनर जैसे साधारण स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष

किया। इसे देखकर लायन की मंशा और स्पष्ट हो जाती है। उनके हाई-आर्म एक्शन और पिच से मिलने वाले उछाल का मुकाबला करना भारतीय बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। पर्थ की पिच पर गेंदों का असमान उछाल और टर्न नाथन लायन को और घातक बनाता है। अगर भारतीय टीम ने स्पिन के खिलाफ अपनी कमजोरियों को दूर नहीं किया, तो ऑस्ट्रेलिया की यह कंगारू चुनौती और भी कठिन हो सकती है। स्पीड के लिए रणनीति तैयार करना सही है, लेकिन स्पिन के खतरे को नजरअंदाज करना भारतीय टीम के लिए महंगा पड़ सकता है। आगामी टेस्ट मैच में लायन के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें होंगी।

किसी भी क्रम पर खेल सकता हूं : आशुतोष

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से निचले क्रम पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे संभावना है कि आशुतोष को आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में कई टीमें शामिल करने के लिए बोली लगाएंगी। आशुतोष ने कहा कि जो भी टीम उन्हें शामिल करती है वह उसकी ओर से अवसर मिलने पर शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि टीम जरुरतों के अनुसार वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। पिछले सत्र में विशेषज्ञ बल्लेबाजों के विफल रहने के बाद टीम की ओर से आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए निचले क्रम में 167.25 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। आशुतोष ने कहा कि मेरा सोचना

है कि टीम को जहां भी मेरी जरूरत होगी मैं वहां बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैंने घरेलू क्रिकेट में हर क्रम पर बल्लेबाजी की है। मैंने कभी यह मानसिकता नहीं बनाई कि मुझे सिर्फ निचले क्रम में बल्लेबाजी करनी है। उन्होंने कहा कि मैं कहीं भी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मुझे बस अपना काम अच्छी तरह करना है और टीम को जीत दिलानी है। आशुतोष ने कहा कि उन्होंने आईपीएल से ही मैच को फिनिश करन सीखा है। उन्होंने कहा कि मैं घरेलू क्रिकेट में भी बल्लेबाजी क्रम में इसी नंबर पर बल्लेबाजी करता था पर मैच को कैसे फिनिश करना है यह मुझे आईपीएल में ही समझ में आया। आशुतोष ने अपनी सफलता का श्रेय भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन को दिया।

जीएसएल 2024 : गुडाकेश मोती गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम में शामिल हुए

जॉर्ज टाउन (गुयाना)। स्पिन गेंदबाज गुडाकेश मोती एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2024 के लिए गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम का हिस्सा होंगे। 2021 में फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण करने के बाद से ही मोती अमेजन वॉरियर्स के लिए एक अहम खिलाड़ी रहे हैं। वह 2023 में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और 2024 सीपीएल फाइनल में अमेजन वॉरियर्स के लिए खेले थे। मोती सीपीएल 2024 के दौरान वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने सिर्फ 18.64 की औसत से 17 विकेट चटकाए थे। वह गुयाना के अपने साथी खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड और कीमो पॉल के साथ मिलकर वॉरियर्स की मजबूत टीम में

शामिल हो गए हैं। ग्लोबल सुपर लीग 26 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें अमेजन वॉरियर्स का मुकाबला हैम्पशायर हॉक्स, लाहौर कलंदर्स, रंगपुर राइडर्स और विक्टोरिया से होगा। सभी मैच गुयाना नेशनल स्टेडियम, प्रोविडेंस में होने वाले हैं।

भारतीय बल्लेबाजों के लिए कहीं फिर चुनौती न बन जाएं शॉर्ट-पिच गेंदबाजी

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय टीम ने पर्थ के डब्ल्यूएसीए मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पहले एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला। मैच में कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं कुछ के लिए शॉर्ट-पिच गेंदों ने चुनौती खड़ी कर दी। मैच में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत की। राहुल ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अच्छी तकनीक दिखाई, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की बाउंसर से उनकी कोहनी चोटिल हो गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। दूसरी ओर, यशस्वी ने आक्रामकता के साथ शुरुआत की, लेकिन जल्द ही स्लिप में कैच देकर आउट हो गए। विराट कोहली ने अपनी क्लास का प्रदर्शन करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स लगाए, लेकिन मुकेश कुमार की गेंद पर स्लिप में कैच थमा बैठे। शुभमन गिल ने 28 रन बनाए लेकिन शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। ऋषभ पंत, जिन्होंने शुरुआत में वादा दिखाया, थकावट के कारण संघर्ष करते नजर आए। नीतीश कुमार रेड्डी की शानदार गेंदबाजी ने पंत को बोल्ड कर दिया। गेंदबाजी विभाग में वाशिंगटन सुंदर और तनुश कोटियन ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश रेड्डी ने शॉर्ट गेंदों के जरिए

बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाया। मैच के दूसरे चरण में यशस्वी और गिल ने बेहतर बल्लेबाजी की। यशस्वी ने नाबाद 52 रन बनाए, जबकि गिल ने 42 रन बनाए। कोहली ने भी संयम दिखाते हुए 30 रन जोड़े। बल्लेबाजों ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अपनी तकनीक में सुधार किया। मैच सिमुलेशन से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय बल्लेबाजों को शॉर्ट गेंदों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, जायसवाल और गिल का प्रदर्शन टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। रोहित शर्मा की चोट और राहुल की फिटनेस पर टीम प्रबंधन की नजर रहेगी। भारत को 2018 के पर्थ टेस्ट में मिली हार की यादें ताजा हैं। इस बार टीम का लक्ष्य मजबूत मानसिकता और तैयारियों के साथ मैदान पर उतरना होगा।

व्यापार

विदेशी निवेशकों के रुख, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

ब्रेंट क्रूड की चाल और रुपया-डॉलर का रुख भी शेयर बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई। विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की व्यापारिक गतिविधियां और वैश्विक रुझान से आगामी शेयर बाजारों की दिशा तय हो सकती है। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को कारोबारी अवकाश घोषित किया है। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी। बाजार के एक विशेषज्ञ के मुताबिक महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कारण 20 नवंबर दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा। चुनाव परिणाम, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर सूचकांक प्रदर्शन, अमेरिकी बेरोजगारी दावे, नवीनतम विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़े और जापान के मुद्रास्फीति आंकड़ों सहित प्रमुख वैश्विक

आर्थिक संकेतक बाजार की दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड पर उच्च प्रतिफल और चुनाव के बाद डॉलर में मजबूती ने भारत जैसे उभरते बाजारों को प्रभावित किया है और एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) गतिविधि एक प्रमुख कारक बनी हुई है, जो निकट भविष्य में भारतीय इक्विटी को प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की चाल और रुपया-डॉलर का रुख भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह भी छुट्टी के कारण छोटा है, और आय सत्र के लगभग समाप्त हो जाने के कारण, ध्यान फिर से एफआईआई प्रवाह पर चला जाएगा। विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले डेढ़ महीने से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त व्यापारी वैश्विक बाजार के रुझानों पर कड़ी नजर रखेंगे। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। बीएसई बेंचमार्क सूचकांक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से 8,397.94 अंक या 9.76 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ और निफ्टी भी रिकॉर्ड उच्च स्तर से 2,744.65 अंक या 10.44 प्रतिशत नीचे आ गया है। इस साल 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर पर पहुंचा था और उसी दिन एनएसई निफ्टी भी 26,277.35 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। बेंचमार्क सूचकांकों में तेज गिरावट विदेशी निवेशकों के घरेलू बाजार से भागने, दूसरी तिमाही की कमजोर आय और इक्विटी के उच्च मूल्यांकन के कारण हुई थी।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ घटा

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान वाली घरेलू कंपनी बनी रही

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में हलचल देखने को मिली है। पिछले सप्ताह इन कंपनियों के कुल मूल्यांकन में 1,65,180.04 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सबसे अधिक नुकसान झेला। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे थे। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। एसबीआई का मूल्यांकन 34,984.51 करोड़ रुपये घटकर 7,17,584.07 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 27,830.91 करोड़ रुपये घटकर 5,61,329.10

करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 22,057.77 करोड़ रुपये घटकर 17,15,498.91 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर 5,82,764.02 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का एमकैप 11,215.87 करोड़ रुपये घटकर 8,82,808.73 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 4,079.62 करोड़ रुपये घटकर 5,74,499.54 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 2,832.38 करोड़ रुपये घटकर 8,85,599.68 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 13,681.37 करोड़ रुपये बढ़कर 7,73,962.50 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 416.08 करोड़ रुपये बढ़कर 15,00,113.36 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

बोइंग कंपनी अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी

करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का किया फैसला

नई दिल्ली। एयरोस्पेस कंपनी बोइंग आगामी वर्ष में 8 अरब डॉलर का घाटा होने के चलते अपने कर्मचारियों में 10 फीसदी की कटौती कर सकती है, कटौती की घोषणा कंपनी ने हाल ही में की है। इसके परिणामस्वरूप करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का फैसला किया गया है। यह फैसला मानव संसाधन में सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी की यह कदम बढ़ती लागत को कम करने और वित्तीय स्थिति में सुधार करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा बोइंग ने 2027 से 767 और 777एक्स विमानों के उत्पादन में रुकावट की घोषणा की है। यह डिसेशन बोइंग के उद्योग में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के लिए किया गया है। हालांकि कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस कदम को केवल अनिवार्य परिस्थितियों में लिया है और वह परियोजनाओं पर काम जारी रखने की कोशिश कर रही है। कर्मचारियों के संगठनों ने इस कदम की मुख्यता और स्थिति पर प्रभाव का खेमंय रखा है। कंपनी उम्मीद कर रही है कि उनके कठिन फैसलों से लागत को कम करने और वर्कफोर्स को संतुलित करने में मदद मिलेगी। यह संकेत देता है कि बोइंग निरंतर अपने उद्योग को सजीव रखने के लिए नये सुराही मानव संसाधन मोडल और कार्य प्रणाली का अध्ययन कर रहा है।

वेदांता हर क्षेत्र में बढ़ाएगा उत्पादन: अनिल अग्रवाल

कंपनी की वर्ष 2024 में पांच लाख बैरल तेल और गैस का उत्पादन करने की योजना

मुंबई। भारतीय तेल और गैस कंपनी वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने एक उत्कृष्ट समय पर उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कंपनी वर्ष 2024 में पांच लाख बैरल तेल और गैस का उत्पादन करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कंपनी ने कच्चे तेल और जस्ता सहित सभी क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ाने पर विचार करने की भी संकल्पितता जताई है। अग्रवाल ने हाल के समय में आयोजित एचटी लीडरशिप समिट में भाग लेते हुए कहा कि तामिलनाडु के तूतीकोरिन तांबा संयंत्र के बंद होने को एक छोटी विफलता मानते हुए उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए सबसे बड़ा

काम है। उन्होंने विफलताओं को एक सफलता के माध्यम के रूप में देखा और कहा कि जितनी अधिक विफलताएं होंगी, उतनी ही अधिक सफलता मिलेगी। यह विफलता आपकी सफलता की पहली सीढ़ी है। अग्रवाल के इस अभियान में समृद्धता और सफलता की सोच ने तारीफों को बढ़ा दिया है और कंपनी के उज्जवल भविष्य की दिशा को मजबूत बनाने की प्रेरणा दी है।

2.2 करोड़ में बिकी 32 साल पुरानी फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ कार

नई दिल्ली। फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ कार ने नीलामी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। 32 साल पुरानी यह 2.2 करोड़ रुपये में नीलाम हो गई है। अब तक किसी भी फोर्ड एस्कॉर्ट के लिए मिली यह सबसे ऊंची बोली है। इस कार ने अपने पूरे जीवन में महज 3,575 किलोमीटर ही चलाए हैं। पिछले 30 वर्षों से यह कार एक लिविंग रूम में रखी गई थी और कभी सड़क पर नहीं उतरी। 90 के दशक में यह कार युवा ड्राइवर्स के बीच बेहद पॉपुलर थी और इसे किंग ऑफ द बॉय रेसर के नाम से जाना जाता था। फोर्ड की इस विशेष मॉडल ने उस समय अपनी शानदार डिजाइन और प्रदर्शन के कारण बड़ी पहचान बनाई थी। एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ की

यह विशेष और लिमिटेड एडिशन मॉडल होने की वजह से क्लासिक कार कलेक्टर्स के बीच अत्यधिक आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह कार अब उन लोगों के पास जाएगी जो ऐसे दुर्लभ और ऐतिहासिक वाहनों को कलेक्ट करना पसंद करते हैं। कार की कम दूरी और बेहद अच्छे कंडीशन में होने के कारण इसे नीलामी में उच्च मूल्य पर बेचा गया। पुराने और क्लासिक कार कलेक्टर्स के बीच इस नीलामी ने खासा उत्साह और चर्चा पैदा की है।

हॉलीवुड में पदार्पण करने पूरी तरह तैयार हैं सौंदर्या शर्मा

अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा जॉन विक श्रृंखला के निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ हॉलीवुड में पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री बेहद रोमांचित हैं। अपने बड़े डेब्यू के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने कहा, मैं बेहद रोमांचित हूं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि सपने देखते रहो, सपने सच होते हैं। 2024 बेहद खास है - इसकी शुरुआत हाउसफुल 5 से हुई, जिसका सारा श्रेय एनजीई और मेरी गॉडसिस्टर वर्दा नाडियाडवाला को जाता है और अब मैं हॉलीवुड में अपना रास्ता बनाने की कोशिश कर रही हूं, जिसका मुझे वाकई बेसब्री से इंतजार है। मैंने इसी प्रोजेक्ट के लिए लगभग एक साल पहले कुछ सीक्वेंस शूट किए थे, लेकिन मैं इसके पूरा होने तक ज्यादा बात नहीं करना चाहती क्योंकि मैं इसे लेकर अंधविश्वासी हूं। उन्होंने कहा, मैं जनवरी में लॉस एंजिल्स और फ्रांस में अपना आखिरी शेड्यूल पूरा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इस साल अपने हाउसफुल 5 शेड्यूल से पहले इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग की है। एनडीए के कारण, मैं इस परियोजना के बारे में और अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकती, लेकिन मैं जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार इसे साझा करूंगी। बिग बॉस 16 की पूर्व प्रतियोगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ तस्वीरें भी साझा कीं, कैप्शन में लिखा, आखिरकार, मुझे ये पोस्ट करने को मिला!!! जैसा कि वे कहते हैं, सपने देखो, सपने सच होते हैं। अभिव्यक्तियाँ काम करती हैं! पीएस: जनवरी में कुछ रोमांचक के लिए लॉस एंजिल्स में वापस जाने का इंतजार नहीं कर सकती। भगवान दयालु हैं! हॉलीवुड बुला रहा है। अमेरिकी स्टंटमैन और फिल्म निर्माता स्टेल्स्की को एटॉमिक ब्लोंड और कई अन्य परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। उन्हें ट्रांसफॉर्मर्स, द मैट्रिक्स, सेरेनिटी, एक्स-मेन ऑरिजिंस: वूल्वरिन, द एक्सपेंडेबल्स, जी.आई. जो: रिटैलिएशन, इमॉर्टल्स और कई अन्य बड़ी हॉलीवुड फिल्मों जैसी सफल परियोजनाओं के पीछे मुख्य स्टंटमैन के रूप में भी जाना जाता है। इस बीच, सौंदर्या को अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 5 में भी भूमिका मिली है। दंत चिकित्सक से अभिनेत्री बनी सौंदर्या तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म में डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा भी हैं। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज़ होने वाली है। शर्मा सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 16 में आने के बाद मशहूर हुए।

सिंघम अगेन की दहाड़, बनीं अजय की वर्ल्डवाइड 300 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली चौथी फिल्म

डायरेक्टर रोहित शेट्टी और अजय देवगन की सिंघम अगेन ने वर्ल्डवाइड नए रिकॉर्ड बना लिए हैं. फिल्म वर्ल्डवाइड 300 करोड़ क्लब में एंटर करने वाली 2024 की तीसरी बॉलीवुड मूवी बन गई है. फिल्म ने सेकंड वीकेंड में नए

माइलस्टोन हिट कर लिए हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंघम अगेन ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 248 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. वहीं ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 65 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. इस हिसाब ने फिल्म का 313 करोड़ का बिजनेस हो गया है. फाइटर और स्त्री 2 के बाद सिंघम अगेन ये अचीवमेंट पाने वाली तीसरी फिल्म है. वहीं सिंघम अगेन अजय देवगन की चौथी 300 करोड़ कमाने वाली फिल्म है. इससे पहले तानाजी: द अनसंग वारियर, दृश्यम 2 और गोलमाल अगेन ने 300 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी. इसके अलावा उनकी आरआरआर भी इस लिस्ट में शामिल है. लेकिन उस फिल्म में वो लीड रोल में नहीं थे. इसके अलावा सिंघम अगेन करीना कपूर की बजरंगी भाईजान, 3 इडियट्स और गुड न्यूज के बाद चौथी 300 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली फिल्म है. वहीं रोहित शेट्टी के लिए, ये चेन्नई एक्सप्रेस, सिंबा, दिलवाले और गोलमाल अगेन के बाद 300 करोड़ के बॉक्स ऑफिस क्लब में एंटर करने वाली पांचवी फिल्म है. बता दें कि सिंघम अगेन में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर खान फीमेल लीड में नजर आई थीं. वो अजय की पत्नी के रोल में थीं. इसके अलावा फिल्म में टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह भी अहम रोल में थे. अर्जुन कपूर फिल्म में विलेन के रोल में नजर आए.

रूह बाबा के आगे नहीं टिक पाए बाजीराव सिंघम

13वें दिन भी भूल भुलैया 3 का पलड़ा रहा भारी

इस दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरो में अजय देवगन स्टारर सिंघम अगे और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का क्लैश हुआ था. दोनों ही फिल्में अलग जॉनर की हैं और इनका काफी हाईप बना हुआ था. वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद दोनों फिल्मों ने धमाका किया और शानदार ओपनिंग की. हालांकि भूल भुलैया 3 का पहले दिन का कलेक्शन सिंघम अगेन से कम था लेकिन कार्तिक की फिल्म ने धीरे-धीरे स्पीड पकड़ ली और पिछले कुछ दिनों में इसके कारोबार में बढ़ोतरी देखी गई है. पिछले कई दिनों से भूल भुलैया 3 कलेक्शन के मामले में इसे सिंघम अगेन पर बढ़त बनाए हुए हैं लेकिन जब कुल नंबर्स की बात आती है, तो अजय देवगन स्टारर फिल्म आगे है. बावजूद इसके भूल भुलैया 3 अपना बजट वसूल कर चुकी है और अब सिर्फ मुनाफा ही कमा रही है. चलिए यहां जानते हैं इस हॉरर कॉमेडी ने रिलीज के 13वें दिन कितना कलेक्शन किया है भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन ने एक बार फिर रूह बाबा के किरदार में दर्शकों का दिल जीत लिया है. ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही है. इसी के साथ फिल्म जमकर कमाई भी कर रही है. यहां तक कि रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी भूल भुलैया 3 टिकट खिड़की पर मजबूत स्थिति में दिख रही है और दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. अनीस बज्मी निर्देशित इस फिल्म की कमाई की बात करें तो भूल भुलैया 3 ने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ की कमाई की थी. फिर दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 9.25 करोड़, दूसरे शनिवार 15.5 करोड़, दूसरे रविवार 16 करोड़, दूसरे सोमवार 5 करोड़ और दूसरे मंगलवार 4.25 करोड़ की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के दूसरे बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 3.85 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ भूल भुलैया 3 की 13 दिनों की कुल कमाई अब 212.10 करोड़ रुपये हो गई है. पहले मुंबई को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में 'भूल भुलैया 3 को सिंघम अगेन पर बढ़त हासिल थी लेकिन अब मुंबई और पुणे जैसे इलाकों में भी कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित स्टारर फिल्म अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो गई हैं. गौरतलब है कि भूल भुलैया 2 का लाइफटाइम कलेक्शन लगभग 180 करोड़ रुपये था, जिसे 'भूल भुलैया 3 3 पहले ही पार कर चुकी है. इसलिए, इसका प्रदर्शन शानदार है और इन दोनों फिल्मों के बजट के कारण इसे सिंघम अगेन से बेहतर माना जा रहा है. वहीं 'भूल भुलैया 3 कई दिग्गजों के लिए प्रेरणा बन रही है और यह पहले संजू जैसी कमाई करने वाली फिल्मों को चुनौती दे रही है. यह कार्तिक की पहली फिल्म है जो 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई है. इन सबके बीच बता दें कि इस गुरुवार को सिनेमाघरों में सूर्या और बॉबी देओल स्टारर कंगुवा रिलीज हो रही है. ऐसे में देखने वाल बात होगी कि कंगुवा के आगे 'भूल भुलैया 3 कितना कारोबार कर पाती है.

रिलीज से पहले पुष्पा 2 ने तोड़ा रिकॉर्ड, यूएसए में प्री सेल में छप्पर फाड़ कमाई, धड़ाधड़ बिक रहीं टिकटें

पुष्पा 2 द रूल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. मेकर्स ने एक हफ्ते पहले यूएसए में फिल्म की एडवांस बुकिंग की सुविधा की. एक हफ्ते के बाद फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ प्री सेलिंग की है. फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के लिए फिल्म की टिकटे धड़ाधड़ बिक रही हैं. मेकर्स ने यूएसए में चल रही पुष्पा 2 की एडवांस बुकिंग के बारे में अपडेट साझा किया है. इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से पुष्पाराज का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, यह अब पुष्पा राज का राज्य है. पुष्पा 2 द रूल ने रिकॉर्ड तोड़ 750 हजार से ज्यादा यूएसए प्रीमियर प्री सेल्स और 27 हजार से ज्यादा टिकट बिकने के साथ बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है. 21 दिन रहते हुए अब तक का सबसे तेज. मेकर्स ने फैंस को फिल्म से जुड़ा एक और अपडेट साझा किया है. मेकर्स ने फिल्म से पोस्टर साझा करते हुए लिखा है, पुष्पा 2 द रूल ट्रेलर लॉन्च इवेंट 17 नवंबर को गांधी मैदान पटना में शाम 5 बजे से शुरू होगा. कुछ दिन पहले मेकर्स ने पुष्पा 2 के ट्रेलर के बारे में जानकारी साझा की. उन्होंने बताया कि फिल्म का ट्रेलर 17 नवंबर को शाम 6.03 बजे पटना में होगा. मेकर्स को पुष्पा 2 के लिए बड़े लेवल की तैयारी कर रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रमोशन के लिए कई बड़े शहरों का चुनाव किया है. उन शहरों के नाम है- पटना, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, बैंग्लोर और कोच्चि. इसकी शुरुआत 17 नवंबर को पटना से होगा. बीते बुधवार को पुष्पा 2 की हीरोइन रश्मिका मंदाना ने पुष्पा 2 की डबिंग के बारे में अपडेट दी. उन्होंने डबिंग स्टूडियो से अपनी तस्वीरें शेयर की और बताया कि उन्होंने पुष्पा 2 का फर्स्ट हाफ की डबिंग पूरी कर ली है. रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्टूडियो के अंदर से अपनी तस्वीर पोस्ट की है और कैप्शन में फिल्म और डबिंग के बारे में लिखा है. उन्होंने लिखा है, अब जब मस्ती और मजाक खत्म, तो चलिए काम पर लग जाते हैं. मीनिंग- 1- पुष्पा की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है. 2- पुष्पा द रूल- फर्स्ट हाफ की डबिंग खत्म हो चुकी है. 3-1 बजे दूसरे हाफ की डबिंग, हे भगवान. फिल्म का फर्स्ट हाफ पहले से ही कमाल का है और दूसरा हाफ तो और भी कमाल का है. मेरे पास शब्द कम पड़ गए हैं. आप लोग वाकई एक बेहतरीन अनुभव के लिए तैयार हैं. मैं इंतजार नहीं कर सकती. यह चेहरा शूटिंग के खत्म होने के बाद का है. पुष्पा 2 5 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, सौरभ सचदेवा, ब्रह्मा और फहाद फासिल स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है.

स्टाइलिश पिंक लहंगे में नुसरत भरूचा ने बिखेरा जलवा

गॉर्जियस अवतार ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

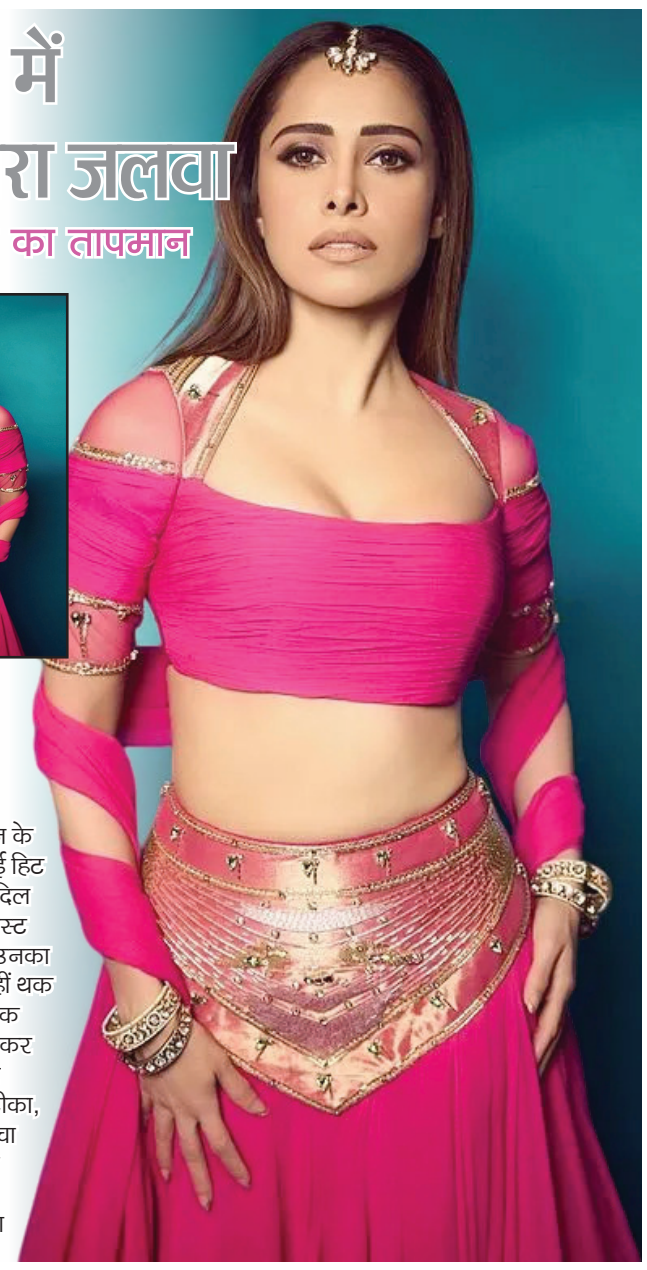

बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स से लाइमलाइट लूटती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। वो अपनी एक्टिंग से अक्सर फैंस का दिल जीत लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने पिंक कलर का स्टाइलिश लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, सिर पर मांगटीका, हाथों में बैंगल्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। नुसरत भरूचा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

CBI branch manager gave a cheque of Rs 2 lakh to a PMJJBY beneficiary

Neeraj Anand

MOTIHARI: Jasauli Patti Branch of Central Bank of India privided a life insurance cheque of Rs 2 lack to one Madhurendra Jha husband of late Mamta Devi of same village. Notably, Madhurendra Kumar Jha's wife Mamta Devi has recently passed away. He had registered for Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana in Jasoli Patti Central Bank branch. Branch manager Md Iftekhar has appealed to the general public to take advantage of this scheme. While providing the check to the beneficiary, the branch manager said that under Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana, a life insurance facility of Rs 2 lakh is available on an annual premium of Rs 436. Under this scheme, an insurance cover of Rs 2 lakh is available on death due to any reason. On the death of the insured, an assistance amount of Rs 2 lakh is given to the nominee or dependent family. There is no need to undergo any kind of medical examination to apply for this scheme. While encouraging the PMJJBY beneficiaries, Central Bank of India's Regional Manager (RM) Naresh Thakur said that a hand placed on the shoulder of dependents in bad times is more valuable than the applause on success. The world only asks about the well-being of those whose circumstances are good and those who are in trouble people even lose their mobile numbers. For such dependents, Central Bank of India has Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana. The most beautiful plant in the world is friendship obtained in sorrow, which does not grow on the ground but in the hearts. Here, the plant in the form of Central Bank of India seems to be growing in the hearts of the people. For Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana, it is necessary for the insured to have an account in the bank branch. Young men and women between 18 to 50 years can get themselves registered. The period of insurance cover of Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana is from 1 June to 31 May in a year. It is worth mentioning that Jeevan Jyoti Bima Yojana was started by the Central Government in 2015. After receiving a cheque of two lakhs under PMJJBY, Madhurendra Kumar Jha's face was filled with joy. Beneficiary Madhurendra Kumar Jha said that our wife passed away after making me financially strong under this scheme. For this, beneficiary Madhurendra Kumar Jha expressed his gratitude to the government and Central Bank of India. Apart from the branch manager, manager Syed Salman, Shivnath Kumar Singh, Suresh Das, Bachcha Kumar Yadav, Munna Kumar, Vijay Kumar Yadav, Rajeshwari Sharan, Sandeep Kumar and others were present on this unique occasion.

MGCU Selected for *'Ek Bharat Shreshtha Bharat'* Programme

MOTIHARI: A total of four students of Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has been selected for 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' Programme organised by the Ministry of Education, Government of India. To achieve this feat, the students excelled in a two-tier interview process among more than 3000 applicants from 38 districts of Bihar.

Among the selected students: Rishabhdev Shukla, a resident of Khajuhatti Shukla Tola, Baikunthpur Assembly constituency, Gorakhpur district, is a PhD scholar in the Department of Gandhian Studies and Peace. Adil Latif, a resident of East Champaran district and a second year B.Tech (CSE) student of the Department of Computer Science and Information Technology. Sanjana Kumari, a 4th year B.Tech (CSE) student, also from East Champaran district. Rupali Kumari, a resident of Begusarai district and a third semester student of the Department of Social Work. The program will be held at IIT Dharwad, Karnataka between the last week of November and the first week of December. During this period, the selected students will participate in various academic, cultural and community activities showcasing the rich cultural heritage of Bihar. Vice Chancellor Prof. Sanjay Shrivastava said, "This is a proud moment for our university. These students have earned this honour with their talent and hard work. This selection is not only their personal success but also a testimony to the academic and cultural upliftment of MGCU. I wish them a bright future." Public Relations Officer Shefali Mishra said, "MGCU students have always brought laurels to the university with their versatile talents. Our participation in national programmes like 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' shows that our students are making significant contributions not only in the academic field but also in national integration and cultural exchange."

ED is investigating the bank accounts of Bangladeshis arrested in hawala scam

Kolkata- The Enforcement Directorate (ED) in West Bengal is investigating the bank accounts of two Bangladeshi nationals Rony Mondal and Samir Choudhury, arrested by it in a hawala case. nephew, who live in Barrackpore in North 24 Parganas district. Sources said investigating officials believe that Mandal has influential high-level political connections due to which he was able to obtain a business licence from the local Barrackpore Municipality to carry out contract work for the urban civic body despite being a Bangladeshi citizen. Investigating officers believe that Mandal was present at various public meetings of the ruling Trinamool Congress in the area. Sources said that investigation of his bank accounts will give the officers a clear idea about the money transactions, which will help in identifying influential people over time. Apart from Mandal and Choudhary, ED officials had also arrested two civilians named Pintu Halder and Pinky Basu in connection with the hawala scam.

On Tuesday, ED officials along with Central Armed Police Force (CAPF) personnel conducted raids and searches at 12 locations in West Bengal in connection with the hawala scam that has spread across West Bengal and Jharkhand. The scam also has links to Bangladesh. These 12 locations also include the house of a woman in Madhyamgram in North 24 Parganas district, against whom a case was registered in Ranchi. The woman in question had illegally migrated other women from Bangladesh to West Bengal on the pretext of providing employment opportunities and then involved them in the inter-state hawala racket, mainly involving West Bengal and Jharkhand. These Bangladeshi women were also given fake documents like Aadhar cards with Hindu names. Sources said that some of these Bangladeshi women managed to escape to Ranchi and lodged a complaint at a local police station there. Since hawala transactions fall under the ambit of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), the ED took up the case suo motu after filing an Enforcement Case Information Report (ECIR). Initial investigations revealed that a part of the money received through hawala was also invested in the transport business.

The doors of Badrinath temple will be closed today for the winter season

Badrinath- The doors of the holy Badrinath temple will be closed for the winter season on Sunday at 9.07 pm. For this, the process of closing the doors has started with the chanting of mantras. On Saturday, more than 10,000 devotees visited Lord Badri Vishal. During this, many major rituals took place and hundreds of kilos of prasad was prepared for the closing of the session. On November 15, the third day of the temple closing process, Vedic chanting (Veda Richas) was paused. The move signalled the temple's entry into the winter phase. The Veda Upanishads were then formally handed over to the temple's Rawal (head priest) and Dharmadhikari. The week-long process of closing the temple began on November 13, when the doors of the Shri Ganesh temple were closed. This was followed by the closing of the doors of the Adi Kedareshwar and Adi Guru Shankaracharya temples. These processes are part of Panch Puja, in which the entire temple complex is prepared for the long winter. On Friday, the important 'Khatag Puja' was completed under Panch Puja. After this, prayers were offered for the safe return of Lord Badrinath to the sanctum sanctorum by offering kadhai bhog in the temple of Mata Lakshmi. The Char Dhams of Uttarakhand, Gangotri, Yamunotri, Kedarnath and Badrinath are all closing for the winter. This is the end of the pilgrimage of 2024. Gangotri, dedicated to Maa Ganga, was the first to close on November 2. After this, the doors of Yamunotri and Kedarnath were closed on November 3 on the day of Bhai Dooj. Other major temple gates have also been closed for the winter. Rudranath was closed on October 17 and Tungnath on November 4 and Madhyamaheshwar will be closed on November 20. The gates of Bhakunta Bhairavnath, the protector deity of Kedarnath, were closed on October 29. The closing process takes place around Dussehra and is necessary to keep the temples and their surrounding areas safe during the winter. The temples will open in April or May next year and will be ready for the 2025 pilgrimage.

Reserve Bank received a threatening call, complaint lodged

Mumbai- A threatening call was made to the Reserve Bank of India at 10 am on Saturday. The caller identified himself as the CEO of Lashkar-e-Taiba. The call came on the customer care number of the Reserve Bank. The call was allegedly made to the security guard of the Reserve Bank. The man introduced himself as the CEO of the terrorist organization Lashkar-e-Taiba and said, close the back road, the electric car has broken down. A case has been registered against the unknown person. According to the police, this could also be someone's mischief. Earlier on Thursday (November 15), Mumbai's JSA law firm Ballard Pair and JSA office Kamala Mill Lower Pearl received an email threatening to bomb them. The mail came on the company's official ID. The sender's name was Farzan Ahmed. He wrote that a bomb has been placed in the firm's office and Ballard Estate office. After receiving the information, the police immediately started the investigation. Earlier, there was a threat of bombing the

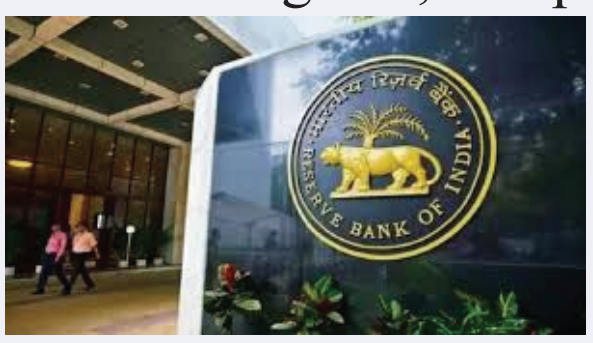

flight. Last Thursday (14 November), Mumbai airport received a threat of bombing. An unknown person called CISF posted at Mumbai airport and threatened to bomb the airport. After this, the security personnel posted at the airport and others were terrified. The person who threatened called the CISF employee and said that a bomb has been planted at the airport. Investigation revealed that a person named Mohammad was planning to go to Azerbaijan from Mumbai with explosive material. On October 27, a threat was also made at Mumbai airport. It was said that if the plane flies, no passenger will survive. This threat was also found to be false during investigation. For the past one year, there have been threats of bombing schools, hotels, airports, markets, trains, buses etc. in the country. However, all of them are turning out to be fake.

Tamil actress Kasturi Shankar arrested from Hyderabad, had made objectionable remarks on Telugu community

Chennai- A special team deployed by the Greater Chennai Police arrested Tamil actress Kasthuri Shankar from a flat in Narsingi, Hyderabad on Saturday night. A special team of Chennai Egmore Police arrested the actor. A senior official of the Cyberabad Police Commissionerate told IANS that a team from the Egmore police station reached Hyderabad on November 16 and arrested him from his flat in Narsingi. The official said that Kasthuri has been booked under sections 191 and 192 of the Indian Justice Code Act 2023. The police team arrested the actress and will take her to Chennai on transit. The Tamil star was under investigation for controversial remarks he made about the Telugu community during a gathering in Chennai on November 3. Kasturi has been accused of using hate speech and targeting the Telugu community. However, he denied this and claimed that his statements were misrepresented. The anticipatory bail filed by Kasturi was rejected by the Madras High Court (November 14). Justice Anand Venkatesh, who rejected the actress' bail plea, had said that her comments were inappropriate. The case stems from comments made by Kasturi at a Brahmin gathering in Chennai on November 3. He had allegedly described the Telugu-speaking people living in Tamil Nadu as descendants of prostitutes. According to Kasturi, they came to serve the kings 300 years ago and now claim themselves to be of Tamil origin. Kasturi's comments attracted widespread criticism, leading to an FIR being filed against him by a member of the Naidu Mahajana Sangam state executive committee. In response to the backlash, Kasturi issued an apology on social media platform X, claiming that the fake news was being spread by Tamil Nadu's Goebbels and the anti-Hindu DMK network. He also expressed his love and loyalty towards the Telugu community, saying, the people of Andhra Pradesh and Telangana will never fall prey to their lies. While rejecting Kasturi's bail plea, Justice Venkatesh had said that he should have refrained from speaking against the women of Telugu community. The court criticised the actress' comments and found her apology inadequate, as it did not directly address the comments about women. Kasturi argued in court that the FIR was politically motivated, claiming that the DMK government had an intolerant and vindictive attitude towards him. He said his comments did not serve to provoke the Telugu community.

India once again showed its strength in the defense sector, successfully tested the hypersonic missile

New Delhi: India has shown its strength in the defense sector. India has successfully flight tested a long-range hypersonic missile for the first time. This is a major achievement for the country. This test was conducted from Dr. APJ Abdul Kalam Island off the coast of Odisha. Defense Minister Rajnath Singh gave this information. This is a historic moment for India. This important achievement has put our country in the group of select countries that have the capability of such important and advanced military technologies. The Defense Minister congratulated DRDO and the armed forces on this great achievement. The Defence Research and Development Organisation (DRDO) test fired a long-range hypersonic missile from Dr APJ Abdul Kalam Island off the coast of Odisha. The hypersonic missile tested by DRDO is designed to carry various payloads for all services of the Indian Armed Forces for a range of over 1500 km. Defence Minister Rajnath Singh congratulated by posting on social media handle X. He said, India has achieved a major milestone by successfully flight testing a long-range hypersonic missile from Dr. APJ Abdul Kalam Island off the coast of Odisha. He said that this achievement has put our country at par with countries that have such important and advanced military technology. Defence Minister Rajnath Singh has described this achievement as historic. This hypersonic missile is designed to carry various payloads over a distance of more than 1500 km for all services of the Indian Armed Forces.